राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 20 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-268 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

21 राज्यों की महिलाओं से राहुल गांधी ने किया संवाद

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 21 राज्यों की महिलाओं के साथ संवाद किया। इस मौके पर राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि आज राजनीति में संघर्ष सिर्फ पारंपरिक विपक्षी दलों के खिलाफ नहीं, बल्कि एक व्यापक वैचारिक लड़ाई है। उन्होंने कहा, आज राजनीति में हमारी लड़ाई सिर्फ सत्ता के लिए नहीं है, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए भी है। ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जैसे कुछ लोग सोचते हैं, वैसे अलग-अलग नहीं हैं। उन्होंने महिलाओं को प्रतीकात्मक पदों को अस्वीकार करने और सार्थक प्रभावशाली स्थानों के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, महिलाओं को यह समझना चाहिए कि वे केवल सांकेतिक राशि या पदों को स्वीकार न करें, बल्कि अपने अधिकारों के लिए लड़ें जिनके वे हकदार हैं। गांधी ने शक्ति अभियान के साहसिक प्रयासों की सराहना की, जो महिलाओं को नेतृत्व करने, संगठित होने और अपने समुदायों में राजनीतिक विमर्श को नया रूप देने के लिए स्थान प्रदान कर रहा है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने शक्ति अभियान - इंदिरा फेलोशिप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के पहले दिन भाग लिया और देशभर की महिला नेताओं के साथ गहन विचार-विमर्श किया। 21 राज्यों से आई सभी प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिलाएं थीं, जिन्होंने जमीनी स्तर पर महिलाओं के सामने आने वाली पितृसत्ता की गहरी चुनौतियों का सामना करने की प्रतिबद्धता जताई।

बिहार में दर्दनाक हादसा: गंगा जल लेकर आ रहे कांवरियों को ट्रक ने कुचला

- 5 की मौत, 20 से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल

बांका। बिहार के बांका जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। फूलीडूमर थाना क्षेत्र के नगरडीह गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक कांवरियों के झुंड में घुस गया। इस घटना में 5 कांवरियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सभी कांवरिये सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर गौरनाथ महादेव मंदिर की ओर यात्रा कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए यात्रा पर थे, जब तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घायलों की सहायता की। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है। घटनास्थल पर पहुंचकर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश जारी है।

हरियाणा में कांग्रेस का ये दांव हुआ फेल,नहीं तो जीत सुनिश्चित थी

नई दिल्ली। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में हार की जमीनी वजह समझने के लिए कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ राजस्थान के विधायक, वरिष्ठ नेता हरीश चौधरी को जिम्मेदारी दी थी। हार के तमाम कारणों में एक कारण यह भी माना जा रहा है कि अधिकांश नेताओं को टिकट देने और उन्हे पूरा भरोसा दिलाना,फिर वादे पूरे नहीं कर पाना भी हार का एक हार रहा। अन्यथा हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने की पूरी उम्मीद थी।सूत्रों की माने तो कार्यकर्ताओं, नेताओं के इनपुट के आधार पर बनाये गए रिपोर्ट में हार का जिम्मेदार जितना भूपेंद्र हुड्डा को माना गया है उतना ही जिम्मेदार कुमारी सैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला को भी माना गया है। न आरोप नये हैं, न हार का कारण जानने के पड़ताल में लगे नेताओं को कोई अनोखी जानकारी हाथ लगी। हरियाणा की तिकड़ी के खिलाफ सबसे बड़ा आरोप ये है कि तीनो नेताओं ने जो भी टिकट मांगने गया सबको कहा, जाओ तैयारी करो। टिकट पक्की। इससे हुआ ये कि एक एक सीट पर औसतन 30 दावेदार हो गए। टिकट किसी एक को मिलने के बाद बाकी को समझाने वाला कोई नेता फील्ड में था ही नहीं। प्रदेश संगठन गायब था। दिल्ली या अन्य राज्यों के नेताओं से मिलकर अपनी बात पहुंचाना सब के वश की बात नहीं थी, लिहाजा जमकर मची आपसी खीचातानी नुकसान कांग्रेस का हो गया। अधिकतर हार गए। प्रदेश अध्यक्ष बदला जायेगा, ये तय है। हुड्डा के हाथों से पार्टी की कमान फिसलेगी, ये भी तय है।

तैयारियां लगभग पूर्ण

सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई को अब आप भी लाइव देख सकेंगे

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने आम जनता के हित में बड़ा और सार्थक कदम उठाया है। अब कोई भी आम आदमी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई को लाइव देख सकेगा। इसके लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। अब से, आप सभी अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर देख पाएंगे। इससे पहले तक, सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान पीठ और राष्ट्रीय महत्व के अन्य मामलों की सुनवाई को ही यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम करता था। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में स्वप्निल त्रिपाठी मामले में अपने फैसले में महत्वपूर्ण मामलों में कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग का समर्थन किया था। इसके बाद, देश के कोने-कोने के नागरिकों को शीर्ष अदालत की कार्यवाही देखने का मौका मिले, इसलिए पूरे न्यायालय ने संविधान पीठों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करने का फैसला किया। इसके अलावा, महत्वपूर्ण सुनवाई का लाइव ट्रांसक्रिप्शन तैयार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग तकनीक का भी उपयोग किया जाता है। हाल ही में, नीट-यूजी मामले और आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई को लोगों ने काफ़ी संख्या में ऑनलाइन देखा।

पिछले साल अगस्त में, संविधान के अनुच्छेद 370 पर संविधान पीठ की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी।वाई। चंद्रचूड़ ने कहा था कि शीर्ष अदालत देश भर की सभी निचली अदालतों में वर्चुअल सुनवाई को सक्षम बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए अपना खुद का क्लाउड सॉफ्टवेयर स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा था कि ईकोर्ट्स (प्रोजेक्ट) के तीसरे चरण में, हमारे पास एक बड़ा बजट है, इसलिए हम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए अपना खुद का क्लाउड सॉफ्टवेयर स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। मुख्य न्यायाधीश ने बताया था कि महामारी के दौरान, भारत भर की अदालतों ने वर्चुअल माध्यम से 43 मिलियन सुनवाई कीं। औपनिवेशिक छाप और पारंपरिक विशेषताओं को त्यागते हुए एक अन्य पहल में, सीजेआई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के जजों के पुस्तकालय में लेडी जस्टिस की मूर्ति अब एक तलवार के बजाय भारतीय संविधान की एक प्रति रखी है, और उसकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है। परंपरागत रूप से, आंखों पर बंधी पट्टी कानून के

समक्ष समानता का सुझाव देती थी, जिसका अर्थ है कि न्याय का वितरण पक्षकारों की स्थिति, धन या शक्ति से प्रभावित नहीं होना चाहिए। तलवार ऐतिहासिक रूप से अधिकार और अन्याय को दंडित करने की क्षमता का प्रतीक थी। हालांकि, लेडी जस्टिस के दाहिने हाथ में न्याय के तराजू को बरकरार रखा गया है, जो सामाजिक संतुलन और फैसला सुनाने से पहले दोनों पक्षों के तथ्यों और तर्कों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के महत्व का प्रतीक है।

योगी सरकार से मिली मंजूरी

एनसीआर में बसाया जाएगा नया शहर

सरकार करेगी 80 गांवों की जमीन का अधिग्रहण

नई दिल्ली।

नए नोएडा को 209 वर्ग किलोमीटर नए नोएडा को बसाया जाना है। डीएनजीआईआर मास्टर प्लान 2041 में 40 प्रतिशत भू उपयोग औद्योगिक, 13 प्रतिशत आवासीय और ग्रीन एरिया व रीक्रिएशनल एक्टिविटी के लिए 18 प्रतिशत प्रावधान किया गया है। डीएनजीआईआर को गौतमबुद्ध नगर के 20 और बुलंदशहर के 60 गांवों को मिलाकर बनाया गया है। इस शहर की आबादी छह लाख के आसपास होगी।नोएडा में अधिकांश हिस्से की जमीन का अधिग्रहण धारा-4 और 6 के तहत जिला प्रशासन के जरिए किया गया। कुछ जगह किसानों से आपसी सहमति से जमीन ली गई। इसके अलावा यह भी विचार है कि गुरुग्राम की तर्ज पर सीधे डेवलपर को जमीन लेने का जिम्मा देते हुए लाइसेंस दिया जाए। इसमें प्राधिकरण उस एरिया का बाहरी विकास करेगा जबकि डेवलपर आंतरिक विकास। अधिकारियों का कहना है कि जमीन अधिग्रहण नीति क्या होगी, इसके लिए शासन स्तर से गाइड लाइन जारी की जाएगी।

प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि मास्टर प्लान को 12 जनवरी को मंजूरी के लिए शासन को भेजा गया। वहां से आज मंजूरी मिल गई। इसको चार फेज में पूरा किया जाएगा। वर्ष 2027 तक इसे 3165 हेक्टेयर जमीन में विकसित किया जाएगा। वर्ष 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर एरिया विकसित होगा। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम का कहना है कि मास्टर प्लान की मंजूरी से संबंधित प्रस्ताव को बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। जमीन अधिग्रहण से संबंधित अन्य काम के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी, इसके लिए जल्द शासन स्तर पर बात की जाएगी। नए नोएडा एरिया में एक दफ्तर भी खोला जाएगा।उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को बुलंदशहर और दादरी के करीब 80 गांवों की जमीन पर बनने वाले नए नोएडा के मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी दे दी है। अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि, किस प्रक्रिया के तहत जमीन ली जाएगी, इसको लेकर फैसला होना बाकी है। जमीन अधिग्रहण के बाद लेआउट प्लान तैयार किया जाएगा। नए नोएडा को कागजों में दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इंवेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) नाम दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण ने इस साल जनवरी में शासन के पास मास्टर प्लान को मंजूरी के लिए भेजा था। करीब दो सप्ताह पहले औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी इसका प्रस्तुतीकरण देखा था। इस प्लान को लेकर 19 आपत्तियां आई थीं, जिनका निस्तारण किया गया। नया नोएडा 209.11 वर्ग किलोमीटर में यानी 20 हजार 911.29 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। इसके लिए 80 गांवों की जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। जिसे नोटीफाइ किया जा चुका है।

महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग पर अखिलेश यादव बोले- 12 सीटों की मांग उचित

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि हमारी कोशिश होगी कि महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन मिलकर चुनाव लड़े। उन्होंने कहा कि देश में हरियाणा के चुनाव के बाद महाराष्ट्र और झारखंड का चुनाव होने जा रहा है। हालांकि उपचुनाव भी हो रहे हैं। लेकिन, झारखंड और महाराष्ट्र में देश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण चुनाव होने जा रहे हैं और हाल में ही हम लोगों ने यह देखा है कि हरियाणा का हारा हुआ चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने जीत लिया, इसलिए महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल मिलकर भारतीय जनता पार्टी को हराएंगे। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साध। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सरकार छीनी और हथियाई हुई सरकार है। यह खोके से डराकर बनाई हुई सरकार है। महाराष्ट्र में महा भ्रष्टाचार चल रहा है। जनता अब इस सरकार को बदलने के लिए पूरी तरह से कमर कस चुकी है। इंडिया गठबंधन के और जितने भी सहयोगी दल हैं, हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे और जीत का परचम लहराएंगे। उन्होंने कहा कि सपा महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी से 12 सीटों की मांग कर रही है, जो सही है। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी ज़्यादा से ज़्यादा सीटों पर जीतकर आएगी। हमने जनता का विश्वास जीता है। हम निसंदेह महाराष्ट्र चुनाव में बेहतर करेंगे।

भारत और सिंगापुर ने अपनी पहली साइबर नीति पर की चर्चा

नई दिल्ली।

भारत और सिंगापुर ने अपनी पहली साइबर नीति पर बाचतीत की, जो इस साल सितंबर में पीएम मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान जारी संयुक्त वक्तव्य में शामिल प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। सिंगापुर में हुई इस वार्ता की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय के साइबर कूटनीति के संयुक्त सचिव अमित ए शुक्ला और सिंगापुर की साइबर सुरक्षा एजेंसी के मुख्य कार्यकारी डेविड कोह ने की। मीडिया रिपोर्ट में एक बयान में कहा गया कि बातचीत में दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में वैश्विक साइबर संवाद में साइबर खतरे के परिदृश्य, राष्ट्रीय साइबर रणनीतियां एवं नीतियां, खतरों का आकलन और नीतियां एवं विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संवाद में साइबर खतरे की चेतावनियों और प्रतिक्रियाओं, अनुभवों के आदान-प्रदान और विशेष रूप से महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना और संयुक्त क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण गतिविधियों की सुरक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में द्विपक्षीय सहयोग का भी पता लगाया गया है। पीएम मोदी की सिंगापुर यात्रा के मौके पर जारी भारत-सिंगापुर संयुक्त वक्तव्य में सन्निहित भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय सहयोग के लिए डिजिटलीकरण स्तंभ में साइबर स्पेस प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। बयान में यह भी कहा गया है कि द्विपक्षीय वार्ता इस दिशा में एक अहम कदम है और इससे भारत और सिंगापुर के बीच साइबर स्पेस सहयोग के संभावित और व्यावहारिक क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। पीएम मोदी ने सिंगापुर के नए पीएम लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर सिंगापुर का दौरा किया था, इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक आगे बढ़ाया था और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

बलवाइयों की कुटाई, दंगाइयों की ठुकाई समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी: नकवी

नई दिल्ली।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बहराइच में हाल ही में हुई हिंसा और एनकाउंटर को लेकर कहा कि बलवाइयों की कुटाई और दंगाइयों की ठुकाई समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी है। बहराइच में हालिया हिंसा में कई लोगों के बीच झड़पें हुईं थी, जिससे प्रशासन और पुलिस को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नकवी ने कहा कि अगर समाज को सुरक्षित करना है, तो इस तरह के बलवाई और दंगाईयों की ठुकाई और कुटाई देश के हित में है। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई को समाज में शांति स्थापित करने और दंगाइयों को कड़ी सजा देने के लिए जरुरी

बताया। उन्होंने बलवाइयों और दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरुरत पर जोर देते हुए कहा कि हमारा समाज जब तक सुरक्षित नहीं होगा, तब तक विकास और शांति संभव नहीं है। नकवी ने यह साफ कर दिया कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाने से ही समाज में स्थिरता और सुरक्षा स्थापित की जा सकती है। नकवी ने आगे कहा कि बीजेपी जो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के साथ महान राष्ट्रवादी पार्टी भी है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों और हिस्सों को साथ लाने की जरुरत पर जोर दिया और कहा कि कुछ हिस्से बीजेपी से एलर्जी को बीजेपी विरोधियों की ऊर्जा बनाकर अपने और समाज के लिए नुकसान कर रहे हैं। नकवी ने ऐसे लोगों को भी बीजेपी के साथ जुड़ने की अपील की, जो किसी कारणवश राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं।

प्रशांत किशोर की सभा में बवाल: उपचुनाव में प्रत्याशियों के चयन पर भिड़े कार्यकर्ता, कुर्सियां फेंकी गईं

- हंगामा देख प्रशांत किशोर मंच छोड़कर चले गए

गया ।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में गया जिले के बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक सभा हंगामे का शिकार हो गई। यह सभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर बुलाई गई थी, जहां कार्यकर्ताओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि कुर्सियां फेंकी गईं। इस हंगामे के बीच प्रशांत किशोर मौके से निकल गए।

बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय से प्रत्याशी उतारने की योजना थी, जिसके तहत मोहम्मद अफजल हसन और खिलाफत हुसैन के नाम प्रमुखता से सामने आए थे। प्रशांत किशोर ने जैसे ही एक प्रत्याशी का नाम घोषित करना शुरू किया, वैसे ही दूसरे प्रत्याशी के समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रशांत किशोर माइक से समझाने की कोशिश करते रहे कि वे दबाव में काम नहीं करेंगे, लेकिन स्थिति बिगड़ती चली गई।

सभा के दौरान प्रशांत किशोर की अपील का कोई असर नहीं हुआ और उग्र समर्थकों ने कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दीं। प्रशांत किशोर मंच छोड़कर वहां से चले गए, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ मचानी शुरू कर दी। हालांकि, प्रशांत किशोर ने इस सभा के दौरान कहा कि वह दबाव में राजनीति नहीं करेंगे और जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दोनों विधानसभा के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करेंगे। इस सभा में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रत्याशियों में से मो. अमजद हसन और खिलाफत हुसैन के नाम पर चर्चा हो रही थी। इसके अलावा मो. दानिश मुखिया और प्रो. सरफराज खान ने भी अपने नाम आगे रखे थे, लेकिन बाद में दानिश मुखिया और सरफराज खान ने अपने नाम वापस ले लिए। हंगामे के बावजूद, प्रशांत किशोर ने स्पष्ट कर दिया

कि वह पार्टी के उम्मीदवारों का चयन दबाव के तहत नहीं करेंगे। सभा के बाद भी पार्टी कार्यकर्ताओं में तनाव बना रहा और विवाद का समाधान नहीं हो सका।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करवाचौथ सुहागिनों द्वारा पति की रक्षा का महापर्व!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

महिलाएं प्रतिवर्ष अपने पति की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और सुखद जीवन और उनकी जीवन रक्षा के लिए करवाचौथ का व्रत करती हैं। यह उपवास निर्जला होता है। इस दिन महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर एकत्रित होती हैं। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व व्रत का आरंभ करती हैं और रात को चांद के निकलने पर पूजा-अर्चना करते हुए उपवास समाप्त करती हैं।इस वर्ष यह व्रत 20 अक्तूबर को मनाया जा रहा।करवा चौथ के दिन चंद्रोदय 20 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 55 मिनट पर होगा।इस साल कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 6 बजकर 46 मिनट से होगा, जो अगले दिन 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 4 बजकर 16 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर सुबह 06 बजकर 46 मिनट से शुरू होगी और 21 अक्टूबर को सुबह 04 बजकर 16 मिनट पर समापन होगा। सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर निर्जला व्रत रखते हुए शाम को शुभ मुहूर्त में करवा माता की पूजा और कथा सुनती हैं, फिर रात को चंद्रमा के निकलने पर अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं।करवा चौथ के दिन सुबह स्नान आदि करें इसके बाद उपवास संकल्प लें। मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये। इस मंत्र को बोलकर संकल्प लें।यह संकल्प लेकर पूरे दिन निर्जला रहकर व्रत किया जाता है।इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला उपवास रख चंद्रमा की पूजा करती हैं। इसके साथ ही करवा चौथ पर भगवान शिव, मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय जी के अलावा करवा माता की पूजा का भी विधान है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, करवा चौथ का व्रत रखने और विधि-विधान के साथ पूजा करने से दांपत्य जीवन में मधुरता आती है और पति-पत्नी का रिश्त अटूट होता है। इसके अलावा पति की लंबी आयु के लिए भी करवा चौथ का व्रत रखा जाता है।

इसके बाद गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं।इसके बाद आठ पूरियों का अठावरी बनाएं। साथ में कुछ मीठा और पकवान बनाएं इसके बाद पीली मिट्टी से गौरी माता की प्रतिमा बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।गौरी की लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उसपर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग आदि सामग्री माता पार्वती को अर्पित करें।पूजा के समय जल से भरा एक लोटा रखें।बायना देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।रोली से करवे पर स्वास्तिक बनाएं। माता गौरी भगवान गणेश और करवा माता की विधिवत पूजा करें।करवे पर 12 बिंदी रखें और गेहूं चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ से पानी घूमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।रात में चंद्रमा निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद प्राप्त करे। करवाचौथ का उपवास सूर्योदय से पहले शुरू होता है जिसे चांद निकलने तक रखा जाता है।इस उपवास में सांस अपनी बहू को सरगी देती है।इस सरगी को लेकर बहुएं अपने व्रत की शुरुआत करती हैं।

इस व्रत में शाम के समय शुभ मुहूर्त में चांद निकलने से पहले पूरे शिव परिवार की पूजा की जाती है।चांद निकलने के बाद महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलती हैं। करवाचौथ पर सुबह सूर्योदय से पहले उठ जाएं। सरगी के रूप में मिला हुआ भोजन करें पानी पीएं और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।करवाचौथ में महिलाएं पूरे दिन जल-अन्न कुछ ग्रहण नहीं करतीं फिर शाम के समय चांद को देखने के बाद दर्शन कर व्रत खोलती हैं। करवाचौथ की एक कथा भी है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहां तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूंकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चांद उदित हो रहा हो।इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चांद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चांद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।वह पहला टुकड़ा मुंह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुंह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियां करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियां उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो

ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूंकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह कर वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अंगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुंह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है।कुंवारी लड़कियां करवा चौथ का व्रत एक अच्छे वर की तलाश में रखती है। जहां सुहागिन इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करती है तो वहीं, कुंवारी लड़कियां तारों को पूजती हैं।

इस व्रत में शाम के समय शुभ मुहुर्त में चांद निकलने से पहले पूरे शिव परिवार की पूजा की जाती है।चांद निकलने के बाद महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और अपने पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोलती हैं। करवाचौथ पर सुबह सूर्योदय से पहले उठ जाएं। सरगी के रूप में मिला हुआ भोजन करें पानी पीएं और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।करवाचौथ में महिलाएं पूरे दिन जल-अन्न कुछ ग्रहण नहीं करतीं फिर शाम के समय चांद को देखने के बाद दर्शन कर व्रत खोलती हैं।

संपादकीय

फिर सैनी की ताजपोशी

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं,वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है।

सुहागिनों का सबसे बड़ा त्यौहार

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(करवा चौथ (20 अक्तूबर) पर विशेष)

करवा चौथ पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो इस वर्ष 20 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्ठियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्ठियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नज़र फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

विचार मंथन

शेर आया... जैसी बम की फर्जी धमकियां एक गंभीर समस्या

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

बचपन में एक झूठे गड़रिये की कहानी शेर आया शेर आया शीर्षक से स्कूल में सुनी और पढ़ी थी। इस कहानी के केंद्र में झूठा गड़रिया था जो गांव वालों का ध्यान आकर्षित करने के लिए शेर आने की झूठी अफवाहें फैलाता था, लेकिन जब वाकई शेर आ गया तो उसकी बात पर किसी को यकीन नहीं हुआ और इस तरह उस झूठे गड़रिये की कहानी का अंत हो गया। यह शिक्षाप्रद कहानी झूठ नहीं बोलने या अफवाह फैलाने से बचने के लिए सबक देती है। इस कहानी की याद इस वक्त इसलिए आ गई कि देश में बम की फर्जी धमकियों के मामलों ने एक रिकॉर्ड बना लिया है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, रेल और सरकारी दफ्तरों में बम होने की झूठी अफवाहें फैलाने वाले अब एयरलाइंस को अपने निशाने में ले रखे हैं। इस साल विभिन्न भारतीय एयरलाइंस की फ्लाइट्स को अभी तक करीब 400 से ज्यादा धमकियां मिल चुकी हैं। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां कह रही हैं कि इससे पहले तक तो इस तरह के धमकी भरे कॉल इतनी तादाद में कभी नहीं मिले। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड बनाने जैसा हो गया है। पर इससे क्या, क्योंकि एक बम की फर्जी धमकी भी बहुत ज्यादा नुकसान करने वाली साबित होती है। बम की एक फर्जी धमकी से जहां एयरलाइंस को करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ता है, वहीं यात्रियों को होने वाली परेशानियों का तो आंकलन भी नहीं किया जा सकता है। इस लिहाज से बम की फर्जी कॉल्स एक बेहद गंभीर और खतरनाक समस्या बन गई है। यह न केवल सुरक्षा बलों और प्रशासन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रही है, बल्कि व्यापारिक व सामाजिक सामान्य कामकाज को भी बाधित कर रही है। इस प्रकार के धमकीभरे कॉल व संदेश के कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, ऑफिसों, और यहां तक कि ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों समेत हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच जाती है। ऐसी स्थितियाँ ना केवल जान-माल के नुकसान की संभावनाओं को जन्म देती हैं, बल्कि अनावश्यक तनाव और भय का माहौल भी पैदा करती हैं। सामान्य सी बात है कि जब कहीं बम होने की फर्जी सूचना होती है, तो पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आती हैं। बम स्क्वॉड और सुरक्षा दल उस स्थान को खाली करवाते हैं और गहन जांच शुरू की जाती है। इस प्रक्रिया में समय, संसाधन और मानवशक्ति की भारी बर्बादी होती है। वास्तविक आपात स्थितियों के लिए तैनात किए जाने वाले बलों का भी एक तरह से दुरुपयोग होता है। ऐसे में अन्य महत्वपूर्ण स्थालों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि ऐसी घटनाओं से समाज में सुरक्षा को लेकर अविश्वास और अनिश्चितता की भावना को बढ़ावा मिलता हैं। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में तो इस तरह के फर्जी कॉल का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर देखने को मिलते हैं। पढ़ाई रोक कर बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाना, माता-पिता व अन्य परिजनों का तनावग्रस्त हो जाना। यह सब भी असुरक्षा की भावना भरने जैसी बात होती है। ऐसे हालात से गुजरने वाले मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिनकी मनःस्थिति भी विकट हो जाती है। इसलिए इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। विमान में बम की झूठी धमकी से जो परेशानियों होती हैं, उसमें करोड़ों का खर्च हो जाता है। धमकी झूठी होने के बावजूद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, फिर पूरे विमान और यात्रियों को जांच प्रक्रिया से गुजारना, इसके बाद विमान को सेवा में वापस लाने के लिएऑपरेटिंग क्रू की नई जोड़ी की व्यवस्था करना कम चिंता की बात नहीं है। एयरलाइंस अधिकारियों की मानें तो ऑपरेटिंग क्रू, फ्लाइट के जेएफके एयरपोर्ट तक नहीं पहुंचने से यात्रियों को परेशानी होती है। इसी दौरान कोई यदि बीमार है या बीमार हो जाए तो एक अलग तरह की समस्या उत्पन्न हो जाती है। कहते हैं कि पिछले हफ्ते से तो मानों बम की फर्जी धमकियों की बाढ़ सी आ गई है। गुरुवार देर रात तक करीब 40 बम की झूठी धमकियां मिली हैं, जिससे एयरलाइंस को भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियाँ इस दिशा में कुछ नहीं कर रही हैं, लेकिन जो हुआ है अब तो वो नाकाफी साबित हुआ है। यह सच है कि सरकार व सुरक्षा एजेंसियों ने बम की फर्जी कॉलों के प्रति कठोर कदम उठाए हैं। इस तरह के फर्जी कॉल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन मामले कम होने की बजाया और बढ़ते जा रहे हैं, जिससे यह संदेश जा रहा है कि फर्जी धमकी देने वालों का रोकने में कहीं न कहीं हम सभी से चूक हो रही है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में शे निवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

कोटक महिंद्रा बैंक खरीदेगा स्टेंडर्ड चाटर्ड का भारत में पर्सनल लोन कारोबार

सौदे के बाद यूके स्थित स्टैंडर्ड चाटर्ड भारत में अपनी वेल्थ और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पर फोकस करेगी

नई दिल्ली । कोटक मे हिंद्रा बैंक ने कहा है कि वह स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक का पर्सनल लोन कारोबार खरीदने पर विचार कर रहा है। इस सौदे के बाद यूके स्थित स्टैंडर्ड चाटर्ड भारत में अपनी वेल्थ और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पर फोकस करेगी। कोटक महिंद्रा बैंक के मुताबिक स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक का पर्सनल लोन बुक 30 सितंबर तक 4,100 करोड़ (488 मिलियन) का था। भारत का पर्सनल लोन बाजार मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते काफी प्रतिस्पर्धी हो गया है। पिछले साल नवंबर में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पर्सनल लोन के लिए अधिक पूंजी रिजर्व रखने के निर्देश दिए थे, क्योंकि बढ़ती मांग के चलते जोखिम बढ़ने की आशंका जताई गई थी। इससे बैंकों के पर्सनल लोन की वृद्धि दर में कुछ गिरावट आई है, जो अगस्त में सालाना 17 फीसदी रह गई, जबकि एक साल पहले यह 18.3 फीसदी थी। कोटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का अनसिक्योर्ड लेंडिंग बाजार कोटक के लिए अधिक आय वाले ग्राहकों के बीच यह अच्छे ग्रोथ के मौके देता है। यह प्रस्तावित सौदा उन लोन पर आधारित है जो आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अच्छे से चल रहे हैं और जिनमें डिफॉल्ट या संकट के कोई संकेत नहीं हैं। स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक के भारत और दक्षिण एशिया के वेल्थ और रिटेल बैंकिंग प्रमुख ने कहा कि हमने पर्सनल लोन कारोबार बेचने का फैसला इसलिए किया है ताकि बैंक वेल्थ, उच्च आय वर्ग और छोटे-मध्यम व्यवसायों में तेजी से ग्रोथ पर ध्यान दे सकें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा और बैंक यहां निवेश और ग्रोथ जारी रखेगा। कोटक ने कहा कि यह सौदा अगले तीन महीनों में पूरा होने की उम्मीद है, जो नियामक मंजूरी और अन्य शर्तों पर निर्भर करेगा।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज का आईपीओ 23 अक्टूबर को खुलेगा

आईपीओ के लिए 334-352 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली । एथनॉल तथा जैव-आधारित रसायन बनाने वाली गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने 555 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 334-352 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी बयान के अनुसार, आईपीओ 23 अक्टूबर को खुलेगा और 25 अक्टूबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 22 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 325 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों तथा एक निवेशक के 230 करोड़ रुपये मूल्य के 65.27 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस प्रकार आईपीओ का कुल आकार 555 करोड़ रुपये बैठता है। मंडला कैपिटल एजी लिमिटेड बिक्री पेशकश के जरिये 49.27 लाख शेयर बेच रही है। नए निर्गम से हासिल 240 करोड़ रुपये का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 300 अरब डॉलर का हो सकता

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जताया अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 2025 तक बढ़कर 300 अरब डॉलर का हो सकता है। मौजूदा समय में यह 220 अरब डॉलर का है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2040 तक केमिकल की मांग करीब तीन गुना होने का अनुमान है और भारत की पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है।

केमिकल इंडस्ट्री भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान करीब 6 प्रतिशत है और इससे 50 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, भारत में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अगले दशक में 87 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आने का अनुमान है, जो वैश्विक पेट्रोकेमिकल वृद्धि का 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत में केमिकल की वार्षिक खपत 25 से 30 मिलियन टन है, जो कि प्रति व्यक्ति हिसाब से दुनिया के विकसित देशों से काफी कम है। इस कारण से केमिकल सेक्टर में विकास की प्रबल संभावनाएं बन रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत दुनिया का छठा और एशिया में तीसरा सबसे बड़ा केमिकल उत्पादक देश है। भारत की ओर से केमिकल का निर्यात 175 से अधिक देशों को होता है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने जोर दिया कि केमिकल और पेट्रोकेमिकल वैश्विक तेल मांग में वृद्धि को बढ़ावा देंगे, भारत की एकीकृत पेट्रोकेमिकल क्षमता इसकी विस्तारित शोधन क्षमताओं से निकटता से जुड़ी हुई है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एकः अजय बंगा

वाशिंगटन । विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं।' विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है। वहीं विश्व बैंक की प्रबंध निदेशक (परिचालन) एन्ना बेर्डे ने कहा कि बैंक सरकार को वृद्धि को रोजगार तथा टिकाऊ विकास में बदलने में सहायता कर रहा है।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर पहुंचाः आरबीआई

मुंबई । भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की विदेशी अनुषंगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं समेत देश का सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात पर आरबीआई के वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24 से पता चलता है कि भारत का सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात (विदेशों में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से उनकी बिक्री को छोड़कर) सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 190.7 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका 54 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य रहा। उसके बाद यूरोप (31 प्रतिशत हिस्सेदारी) का स्थान था जिसमें ब्रिटेन की अहम मौजूदगी रही।सर्वेक्षण में 7,226 सॉफ्टवेयर निर्यात कंपनियों से संपर्क किया गया। इनमें से 2,266 कंपनियों ने जवाब दिए जिनमें अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं। भाग लेने वाली कंपनियों की कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में लगभग 89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आरबीआई सर्वेक्षण कहता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं का हिस्सा दो-तिहाई से अधिक था और आईटीईएस निर्यात में बीपीओ सेवाएं प्रमुख घटक रहीं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट रही

- **सेंसेक्स 156 अंक गिरावट के साथ 81,224 पर बंद**
- **निफ्टी 110 अंक की गिरावट के साथ 24,854 पर बंद**

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में बिकवाली और उम्मीद से कम दूसरी तिमाही के नतीजों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट देखी गई। जिस वजह से शुक्रवार को सेंसेक्स 0.19 फीसदी और निफ्टी 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सप्ताह बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सेंसेक्स हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 81,697 पर खुला और 591.69 अंक उछलकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 94 अंक मजबूत होकर एक बार फिर 25000 के पार खुला और 163.70 अंक मजबूत होकर 25,127.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त हासिल करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली हावी होती दिखी। इस दौरान दिन के ऊपरी स्तरों से बेंचमार्क सूचकांकों ने गोता लगा दिया। रिलायंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बिकवाली के कारण ऊपरी स्तरों से सेंसेक्स 600 अंकों तक नीचे फिसल गया और 152.93 अंकों की गिरावट के साथ 81,667.19 पर बंद हुआ। निफ्टी भी कमजोर होकर 25100 के नीचे खुला और 70.60 अंकों की गिरावट के साथ 25,057.35 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दौर देखा गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 240.75 अंक गिरकर 81,579.37 अंक पर खुला और 318.76 टूटकर 81,501.36 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.7 अंक गिरकर 24,994.65 अंक पर खुला और 86.05 अंक फिसलकर 25000 के नीचे पहुंच गया और 24,971.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में तेजी आई, लेकिन जल्द ही विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से बाजार कमजोर पड़ गया है और सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार करने लगे। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 280.04 अंक चढ़कर 81,781.40 अंक पर खुला और 494.75 अंक गिरकर 81,006.61 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 58.2 अंक की बढ़त के साथ 25,029.50 अंक पर खुला और 58.2 अंक की बढ़त के साथ 25,029.50 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी फंडों की लगातार निकासी और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 570.45 अंक गिरकर 80,436.16 पर खुला और 156.61 अंक यानी 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 81,224.75 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 84 अंक की गिरावट के साथ 24,664.95 अंक पर खुला और 110.25 अंक यानी 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 24,854 के स्तर पर बंद हुआ।

वित्त मंत्री ने मैक्सिको के वित्त एवं सार्वजनिक मंत्री से व्यापार एवं निवेश बढ़ाने पर चर्चा की

मैक्सिको सिटी ।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां मैक्सिको के वित्त एवं सार्वजनिक ऋण मंत्री डॉ. रोजेलियो रामिरेज़ डे ला ओ से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार एवं निवेश बढ़ाने पर चर्चा की। सीतारमण ने डॉ डे ला ओ को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी तथा विवेकपूर्ण राजकोषीय नीतियों के अनुसरण में पिछले 6 वर्षों में मैक्सिकन अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत को मैक्सिको सरकार के साथ अपने अनुभव साझा करने तथा भारत के डिजिटल परिवर्तन के आधार पर सहयोग की संभावना तलाशने में खुशी होगी। भारत ने एक अरब से अधिक बैंक खातों, मोबाइल फोन तथा डिजिटल पहचान (आधार), एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की नींव का लाभ उठाकर एक नई डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण करने, कमजोर वर्ग के साथ-साथ बड़े समाज को सशक्त बनाने में सफलता प्राप्त की है। डॉ. डे ला ओ ने समग्र रूप से आबादी की मदद करने के लिए मैक्सिकन प्रशासन के आधारभूत स्तंभों को साझा किया। इनमें निम्न आय वाले परिवारों को सहायता, सार्थक बुनियादी ढांचे में विकास, आपूर्ति पक्ष के उपाय शामिल हैं जो राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए अत्यधिक लालफीताशाही से निटपने में मदद करते हैं।श्रीमती सीतारमण ने सभी भारतीयों को बुनियादी सुविधायें कम से कम उपलब्ध कराने के मामले में भारत और मैक्सिको के बीच समानताएं बताईं - जैसे खाद्य सुरक्षा, आवास, बिजली, रसोई गैस, तकनीक-संचालित वित्तीय समावेशन, और आय का पूरक आदि। उन्होंने लगभग 1,500 पुराने कानूनों और विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 6,000 अनुपालन विनियमों को हटाकर बुनियादी ढांचे से संबंधित खर्च के साथ-साथ व्यापार करने में आसानी पर भारत के निरंतर ध्यान को भी साझा किया। सीतारमण ने भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से इंडिया मैक्सकिो के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी का प्रस्ताव रखा और इस बात पर जोर दिया कि युवा नवोन्मेषी और प्रभावी समाधान लाने में सक्षम हैं, और विचारों के ऐसे आदान-प्रदान से दोनों देशों को मदद मिल सकती है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

- 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा। यह हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के जारी` किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.54 अरब डॉलर घटकर 602.10 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.66 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.34 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रहा।

सर्वेः ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर

– वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई ।

भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको` विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा। 54 फीसदी ने कहा` कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

नतीजों के बाद 5 प्रतिशत चढ़े ऐक्सिस बैंक के शेयर

5.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,195.7 रुपये पर बंद हुआ

नई दिल्ली । ऐक्सिस बैंक के शेयरों में शुक्रवार को दिन के कारोबार में 6.3 प्रतिशत तक की तेजी आई। हालांकि बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही में सुस्त नतीजे पेश किए हैं। यह शेयर बीएसई पर दिन के कारोबार में 1,203.7 रुपये की ऊंचाई पर पहुंच गया और आखिर में 5.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,195.7 रुपये पर बंद हुआ। विश्लेषक शेयर में मौजूदा स्तरों से सीमित गिरावट देख रहे हैं। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। हालांकि ब्रोकरों ने दूसरी तिमाही के नतीजों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2025-27 के लिए अपने आय अनुमान 5 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। विश्लेषकों के अनुसार ऐक्सिस बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में मिश्रित आय दर्ज की है। अनुमान से बेहतर रहे शुद्ध लाभ को टैक्स प्रोवीजन रिवर्सल (550 करोड़ रुपये) से मदद मिली और यह 6,918 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 5,864 करोड़ रुपये था। बैंक की ऋण वृद्धि की रफ्तार दूसरी तिमाही में धीमी पड़कर सालाना आधार पर 11 प्रतिशत रह गई जो पहली तिमाही में 14 प्रतिशत थी। तिमाही आधार पर ऋणों में महज 2 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ। रिटेल ऋण तिमाही आधार पर 2 प्रतिशत, छोटे एवं मझोले उद्यम (एसएमई) ऋण 6 प्रतिशत बढ़े और कॉरपोरेट ऋण सपाट रहे। देनदारियों की बात करें तो जमाएं सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़ीं। इस कारण ऐक्सिस बैंक का चालू खाता-बचत खाता (कासा) मिश्रण तिमाही आधार पर 100 आधार अंक नरम पड़कर 41 प्रतिशत रह गया। एक रिपोर्ट में कहा है कि ऐक्सिस बैंक का मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ऋण वृद्धि जमा वृद्धि/ऋण-जमा अनुपात पर निर्भर करेगी जो अभी भी एक चुनौती है। हालांकि मध्यावधि ऋण वृद्धि उद्योग के मुकाबले 300-400 आधार अंक ज्यादा रहेगी।

सोना एक हफ्ते में 2,580 रुपए महंगा, दिवाली तक 80,000 तक पहुंचेगा

जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले एक हफ्ते में सोना 2,580 रुपए महंगा हो चुका है और अब इसकी कीमत 77,410 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली तक सोने का दाम 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। इसके अलावा जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी के चलते सोने की मांग में तेजी आई है, जिससे इसकी कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। मोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि अगले साल जून तक सोने की कीमत 85,000 रुपए तक जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 2,700 डॉलर प्रति आउंस से ऊपर निकल गया है। आईबीजेए (इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन) के आंकड़ों के मुताबिक इस साल सोने की कीमत में अब तक 14,164 रुपए का इजाफा हुआ है और पिछले 12 महीनों में 18,127 रुपए की वृद्धि देखी गई है। यानी कि एक साल में सोने का रिटर्न 30.6 फीसदी रहा है, जबकि इसी

अवधि में सेंसेक्स का रिटर्न 22.27 फीसदी था। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए सोने की कीमतों में तेजी के रुकने के आसार कम हैं। ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी इसकी बड़ी वजह मानी जा रही है। भारत में भी सोने की मांग में भारी इजाफा हुआ है। 2018-19 से लेकर 2023-24 तक, देश में सोने का आयात 45 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। अनुमान है कि दिवाली से पहले सोने की कीमत 80,000 रुपए तक पहुंच सकती है, और जून 2025 तक यह 85,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक हो सकता है। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आएंगे, और 7 नवंबर को अमेरिकी केंद्रीय बैंक दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यदि डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं, तो अनिश्चितता बढ़ेगी, जिससे सोना और महंगा हो सकता है।

अशनीर ग्रोवर का भारत-पे से अब कोई संबंध नहीं रहेगा

- समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद याचिका वापस लेने की अनुमति मिली

नई दिल्ली ।

भारतपे के को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में दायर अपनी याचिका को फिनटेक कंपनी के साथ समझौते के बाद वापस ले लिया है। ग्रोवर ने पहले बोर्ड पर दबाव डालने और गलत प्रबंधन (मिसमैनेजमेंट) का आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। एनसीएलटी ने 14 अक्टूबर 2024 को 30 सितंबर 2024 का समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद ग्रोवर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी। गौरतलब है कि ग्रोवर के वकील ने ट्रिब्यूनल के सामने समझौता पेश कर याचिका वापस लेने की अपील की थी। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है, इसलिए अशनीर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाती है और मामला समाप्त कर दिया गया है। इसके बाद, 17 अक्टूबर को अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल से भी अपनी याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने एनसीएलटी मामले की जल्दी सुनवाई की मांग की थी। पहले दायर याचिका में ग्रोवर ने खुद को फिर से भारत पे का

एमडी बहाल करने और रेसिलिएंट इनोवेशन के बोर्ड द्वारा किए गए बदलावों को अवैध घोषित करने की मांग की थी। उन्होंने कंपनी का ऑडिट कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा कराने और अपनी पत्नी माधुरी जैन को फिर से नौकरी पर बहाल करने की भी अपील की थी, जिन्हें कंपनी के बोर्ड ने हटाया था। समझौते के तहत अब अशनीर ग्रोवर का भारत से कोई संबंध नहीं रहेगा। उनके शेयर एक पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा संभाले जाएंगे, जबकि कुछ शेयर कंपनी के फायदे के लिए रे सि लिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को ट्रांसफर किए जाएंगे। अशनीर ग्रोवर को मार्च 2022 में एमडी पद से हटा दिया गया था, जिसके बाद उनके और कंपनी के बीच लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी। इस समझौते के साथ ही उनकी सभी कानूनी विवादों का अंत हो गया है, और ग्रोवर ने आधिकारिक रूप से भारत पे से खुद को अलग कर लिया है।

भारत /न्यूजीलैंड : मुश्किल में टीम इंडिया, न्यूजीलैंड को जीत के लिए चाहिए 107 रन

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां चौथे दिन सरफराज खान और ऋषभ पंत ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की मैच में वापसी कराई। सरफराज ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा तो पंत महज 1 रन से शतक से चूक गए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 211 गेंद में 177 रन की साझेदारी हुई। सरफराज 195 गेंद में 150 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पंत 99 रन बनाकर आउट हुए। तो राहुल 16 गेंद में 12 रन ही बना सके, रविंद्र जडेजा 15 गेंद में पांच रन ही बना पाए। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 99.3 ओवर में 462 रन बनाए हैं और 106 रन की बढ़त हासिल की है।

वहीं न्यूजीलैंड के सामने अब जीत के लिए महज 107 रन का लक्ष्य है। वहीं चौथे के आखिर में बारिश के कारण खेल आगे नहीं हो सका। न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 4 ही गेंद खेला पाई और बारिश के कारण मैदान से बाहर चली गई। बारिश तेज होने के कारण अंपायर ने स्टंप की घोषणा कर दी।

सरफराज और पंत के आउट होने के बाद टीम इंडिया अपना स्कोर बड़ा नहीं कर पाई। एक के बाद एक करके सभी खिलाड़ी अपना विकेट गंवाते चले गए और विपक्षी टीम के सामने 107 रनों का आसान लक्ष्य ही रख पाए।

इससे न्यूजीलैंड 36 साल में पहली बार भारत में टेस्ट मैच जीतने के करीब पहुंच गया है। न्यूजीलैंड ने भारत में आखिरी टेस्ट मैच 1989 में मुंबई में जीता था। तब सर रिचर्ड हैडली ने 10 विकेट लेकर अपनी टीम को 136 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सरफराज ने अपनी 195 गेंद की पारी में 18 चौके और तीन छक्के लगाये जबकि पंत ने 105 गेंद की पारी में नौ चौके और पांच छक्के जड़े। न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया ही था कि पहले ओवर के दौरान खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने मैच को रोक दिया। इसके बाद तेज बारिश होने लगी और दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया।

अब कोच और मेंटॉर की भूमिका में नजर आयेंगी रानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी की पूर्व कप्तान रानी रामपाल अब महिला हॉकी लीग में अब मेंटॉर और कोच की भूमिका में नजर आयेंगी। महिला हॉकी लीग के इस पहले सीज़न में रानी पंजाब और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए सूरमा हॉकी क्लब की कोच होंगी। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समग्र रूप से भारतीय महिला हॉकी के लिए एक कदम आगे है। रानी ने कहा कि इससे उनके जीवन का एक नया अध्याय शुरू होगा। रानी कई सालों तक भारतीय महिला हॉकी का चेहरा रहीं। इस दौरान उनका नेतृत्व कौशल और जुनून प्रेरणादायक रहा। रानी टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम की कप्तान रही थीं। रानी ने कहा, ''हॉकी मेरा जुनून है। मैंने जितने समय खेला, जुनून के साथ खेला। मेरे दिमाग में हमेशा से यह था कि भारतीय हॉकी से जुड़ने के लिये जो भी मौका मिलेगा, उसे मैं स्वीकार जरूर करूंगी। हॉकी मेरे दिमाग में हमेशा चलती रहती थी।'' रानी ने भारत के लिये 212 मैचों में 134 गोल कर किये हैं और इस प्रकार उन्हें खेल का लंबा अनुभव है। इस खिलाड़ी ने कहा कि पहली बार शुरु हो रही इस महिला लीग से उभरती हुई खिलाड़ियों को एक मंच मिलेगा। रानी ने कहा कि मैं एक महिला खिलाड़ी हूं और मैंने बहुत संघर्ष झेला है। एक खिलाड़ी हमेशा खिलाड़ी होता है। खेलने की इच्छा कभी खत्म नहीं होती। कई बार आपको कठिन फैसला लेना होता है और इसी लिए लीग में न खेलते हुए भी मैंने कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़ने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा, ''संन्यास के बारे में बोलना अभी मुश्किल है। अभी लीग में नयी चुनौती का सामना करूंगी और उसके बाद कोई अंतिम फैसला लूंगी।'' साथ ही कहा कि भारतीय हॉकी टीम को अब 2026 एशियाई खेलों और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी करनी चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास हरेंद्र सिंह के रूप में एक बेहतरीन कोच हैं जो पोडियम फिनिश का सपना पूरा कर सकते हैं। इस महान स्ट्राइकर ने कहा, ''कोई भी टीम हारना नहीं चाहती। हम अतीत को बदल नहीं सकते लेकिन अब 2028 के लिये देखना है। पहला लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करना होना चाहिये। साथ ही कहा कि महिला लीग खिलाड़ियों का पूल तैयार करने में काफी सहायक हो सकती है।'' उन्होंने कहा,''हरेंद्र सर कोच के तौर पर लौटे हैं जिनके साथ मैंने काफी हॉकी खेली है। उनके साथ सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह हमारी संस्कृति और जानते हैं। हमें भरोसा है कि हरेंद्र सर के साथ टीम 2028 में टीम अच्छा करेगी।'' रानी ने स्वीकार किया कि महिला लीग के पहले सत्र में नीलामी के लिये पर्स छोटा है लेकिन उम्मीद जताई कि आने वाले समय में अधिक फ्रेंचाइजी लीग से जुड़ेंगी और पैसा भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा ,''नीलामी के लिये पर्स कम जरूर है लेकिन कोई भी चीज शुरू करना कठिन होता है। हॉकी इंडिया के लिये भी यही है लेकिन लीग का प्रभाव अच्छा रहता है तो उम्मीद है कि और टीमें आगे आयेंगी और पर्स भी बढ़ेगा। हमारे खिलाड़ी बहुत साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं तो आर्थिक तौर पर यह लीग बहुत मदद करेगी।''

सरफराज खान ने इंटरनेशनल क्रिकेट में मचाया तूफान, जड़ा करियर का पहला शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे 3 मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में सरफराज खान ने बेहतरीन शतक जड़ा है। पहली पारी में डक आउट होने वाले सरफराज ने दूसरी पारी में बेहतरीन शतक जड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में उन्हें डेब्यू का मौका मिला और 7 पारियों में उन्होंने 4 बार पचासा बनाया। शुभमन गिल के अनफिट होने के कारण सरफराज को टीम में मौका मिला उन्होंने नंबर 4 पर बल्लेबाजी की और तेज शतक जड़ा। सरफराज ने 110 गेंद पर शतक भी पूरा किया। सरफराज ने टिम साउदी की गेंद पर कवर की ओर चौका लगाया और अपनी सेंचुरी पूरी की। इस दौरान उन्होंने 13 चौके और 3 छक्के भी जड़े। इसके साथ ही एक ही टेस्ट में शून्य से शतक बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की संख्या 22 हो गई है। पिछले महीने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शुभमन गिल ने भी कुछ ऐसा ही किया था। सरफराज के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐसा करने वाले एकमात्र अन्य भारतीय शिखर धवन हैं। 2014 में धवन ने ऑकलैंड के ईडन पार्क में 0 से 115 रन बनाए थे।

वहीं सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में डेब्यू किया था। उस दौरान उन्होंने 62 और नाबाद 68 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 3 मैच खेले जिसमें से 3 फिफ्टी भी जड़ी। रांची में 14 और 0 स्कोर करने के बाद धर्मशाला में 56 रन की पारी खेली थी। फिर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्हें प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें गिल की जगह शामिल किया गया। पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए। दूसरी पारी में शतक जड़कर भारत की वापसी कराई। सरफराज इस सदी में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट शतक बनाने वाले केवल सातवें भारतीय हैं। वह सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, सौरव गांगुली और अजिंक्य रहाणे की सूची में शामिल हो गए हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में ये सरफराज का 16वां और लगातार दूसरा शतक है।

भारत ए की कप्तानी कर सकते हैं गायकवाड़, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे इशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के अंत में शुरू होने वाले दो चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैचों में रुतुराज गायकवाड़ ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी कर सकते हैं। सभी की निगाहें भारत ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होंगी जिसमें गायकवाड़ के साथ अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन के शामिल होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में पता चला है कि कप्तान रोहित शर्मा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो टेस्ट मैचों में से एक में नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद भारत एक रिजर्व ओपनर की तलाश करेगा।

ईश्वरन दोनों मैचों के दौरान चर्चा का विषय रहेंगे। उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म के दम पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में दो शतक लगाए और ईरानी कप में एक और शतक लगाया। दिल्ली में तमिलनाडु के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच में दोहरा शतक जड़ने के साथ ही उनके बल्ले से शतकों की बरसात जारी रही। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों को खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने और पांच टेस्ट के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का ऑडिशन माना जा सकता है। देवदत्त पडिक्कल, बाबा इंद्रजीत और रिकी भुई भारत ए टीम में मध्यक्रम की मजबूत बल्लेबाजी कर सकते हैं। केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद ईशान किशन पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं। युवा बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को श्रेयस अय्यर के साथ सूची से हटा दिया गया था, क्योंकि इस बात की चिंता थी कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग को प्राथमिकता दी है।

अभिषेक पोरेल के साथ वह भारत ए की टीम को विकेटकीपिंग का विकल्प दे सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी, तनुश कोटियन और मानव सुथार के ऑलराउंडर के रूप में खेलने की उम्मीद है। तेज गेंदबाजी इकाई में मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद और यश दयाल के शामिल होने की उम्मीद है। चार दिवसीय खेल का पहला मैच 31 अक्टूबर को मैके में शुरू होगा। दूसरा मैच 7 नवंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए संभावित भारत ए टीम : रुतुराज गायकवाड़, अभिमन्यु ईश्वरन, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, बी इंद्रजीत, अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेट कीपर), मुकेश कुमार, रिकी भुई, नितीश कुमार रेड्डी, मानव सुथार, नवदीप सैनी, खलील अहमद, तनुश कोटियन, यश दयाल।

आईपीएल के अगले सत्र के लिए मेगा नीलामी में उतरेंगे राहुल और जुरेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए इस साल दिसंबर में होने वाली मेगा नीलामी में उतरने की संभावना है। राहुल और जुरेल अगर आगामी मेगा नीलामी में उतरते हैं तो उनपर ऊंची बोली लग सकती है। आईपीएल नियमों के अनुसार सभी टीमों के लिए मेगा नीलामी से पहले अपने रिटेंशन को पूरा करने के लिए 31 अक्टूबर तक का समय है। नियम के तहत ही हर फ्रेंचाइजी रिटेंशन और आरटीएम विकल्प के जरिये ज्यादा से ज्यादा छह खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती है। छह रिटेंशन या आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों का संयोजन) और अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। राहुल ने साल 2022 सत्र से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से 38 मैचों में 1410 रन बनाए हैं पर इसके बाद भी उन्हें फ्रेंचाइजी रिटेन करने की जगह पर नीलामी में उतारेगी। वहीं राहुल भी मेगा नीलामी में उतरना चाहते हैं, क्योंकि टीम उन्हें रिटेन नहीं कर सकती है। रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों या रिटेंशन की कीमत के बारे में चर्चाओं के बाद अगर राहुल नीलामी में शामिल होते हैं तो इसमें हैरान होने की जरुरत नहीं है।

पिच पर टर्न है, बल्लेबाजों से अच्छी बढ़त बनाने की उम्मीद : कुलदीप

बेंगलुरू । पिच से थोड़ा टर्न मिलने की बात करते हुए कलाई स्पिनर कुलदीप यादव ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाजों पर भरोसा जताया कि वे दूसरी पारी अच्छी बढ़त हासिल करेंगे ताकि भारतीय स्पिनरों को प्रभाव डालने का मौका मिल सके। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 231 रन बना लिए और अब भी न्यूजीलैंड से पहली पारी में 125 रन पीछे है। कुलदीप ने कहा कि जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो स्पिनरों को कुछ मदद मिल रही थी और उम्मीद है कि हमें पांचवें दिन और स्पिन मिलेगी। लेकिन इसके लिए बचाव करने के लिए हमें अच्छे स्कोर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजी आक्रमण को देखते हुए हम चाहेंगे कि हम लक्ष्य प्रभावी रहे। हम अभी स्कोर की भविष्यवाणी नहीं कर सकते क्योंकि हमें अभी भी बहुत बल्लेबाजी करनी है। कुलदीप ने उम्मीद जताई कि 70 रन पर खेल रहे सरफराज खान शनिवार को इसें बड़े स्कोर में तब्दील करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी ने उनका प्रदर्शन देखा, उन्होंने ईरानी ट्रॉफी के दौरान 200 रन बनाए। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह यहां एक और शतक बनाएंगे। वह भारत के लिए खेल रहे हैं इसलिए जब तक रन बनते रहेंगे, उनकी तकनीक मायने नहीं रखती। कुलदीप ने कहा कि हालांकि वह स्पिनरों के खिलाफ अच्छी तकनीक से खेलते हैं। जिस तरह से वह बाएं हाथ के स्पिनरों का सामना कर रहे थे, उन्होंने न्यूजीलैंड को तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी कराने पर मजबूर किया।

सुल्तान जोहोर कप : भारत की जूनियर पुरुष टीम ने जापान को हराया

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने यहां जापान को 4-2 से हराकर सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारत के लिए आमिर अली (12वें मिनट), गुरजोत सिंह (36वें), आनंद सौरभ कुशवाह (44वें) और अंकित पाल (47वें) ने जबकि जापान के लिए त्सुबासा तनाका (26वें) और राकुसी यामानाका (57वें) ने गोल किए।

भारत के पूर्व गोलकीपर और जूनियर टीम के कोच पीआर श्रीजेश अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट नजर आ रहे थे। यह मैच शुरू से ही काफी रोमांचक रहा। भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और वह शुरू से ही गोल करने के मौके बनाने की कोशिश करता रहा। भारतीय प्रयासों को तब सफलता मिली जब मैच के 12वें मिनट में आमिर अली ने जापान के रक्षकों को छकाकर मैदानी गोल करके भारत का खाता खोला।

जापान ने वापसी करने के लिए अच्छे प्रयास किया और वह तब इसमें सफल रहा जब 26वें मिनट में त्सुबासा तनाका ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद जापान के पास पहली बार मैच में बढ़त हासिल करने का मौका था लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उसके प्रयास को नाकाम कर दिया। मध्यांतर तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी लेकिन इसके बाद भारतीय टीम अधिक आक्रामक हो गई।

पिछले महीने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले गुरजोत ने मध्यांतर के छह मिनट बाद मैदानी गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिला दी। भारत को इसके कुछ मिनट बाद दिलराज सिंह के शानदार खेल से पेनल्टी कार्नर मिला जिसे आनंद सौरभ कुशवाह ने अपने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। जापान के गोलकीपर किशो कुरोदा के पास उनके करारे शॉट का कोई जवाब नहीं था।

भारत ने अंतिम क्वार्टर में भी एक गोल किया। अंकित पाल ने 47वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर पर रिबाउंड से यह गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। राकुसी यामानाका ने अंतिम हूटर बजने से तीन मिनट पहले जापान के लिए दूसरा गोल किया लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप का फाइनल, मिलेगा नया चैम्पियन

दुबई (एजेंसी)। सोफी डिवाइन के नेतृत्व में न्यूजीलैंड की स्वर्णिम पीढ़ी के खिलाड़ियों के पास वैश्विक आईसीसी ट्रॉफी पर हाथ रखने का आखिरी मौका होगा जब टीम टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। इस फाइनल मैच से टी20 विश्व का नया चैम्पियन मिलना तय है क्योंकि दोनों टीमों ने इससे पहले कभी भी इस प्रारूप का खिताब नहीं जीता है।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने 2000 में एकदिवसीय विश्व कप जीता था लेकिन मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य उस ऐतिहासिक खिताबी जीत का हिस्सा नहीं था। इस आयोजन के शुरू होने से पहले लगातार 10 मैचों में हार के कारण न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास डगमगाया हुआ था लेकिन डिवाइन के नेतृत्व में इस समूह ने शानदार वापसी की। टीम को सुजी बेट्स, अमेलिया केर और ली ताहुहू जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी का फायदा मिला। यह संभवतः आखिरी बार है

डिवाइन, बेट्स और ताहुहू किसी वैश्विक टूर्नामेंट में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। 35 वर्षीय डिवाइन के नाम सफेद गेंद प्रारूप में 7000 से अधिक रन हैं, जबकि 37 वर्षीय बेट्स के नाम 10,000 से अधिक रन हैं। तेज गेंदबाज ताहुहू 34 साल की है। उन्होंने वनडे में 112 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 93 विकेट चटकाये हैं। यह खिलाड़ी विश्व कप ट्रॉफी के सपने को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दक्षिण अफ्रीका भी पिछले साल की कसक को दूर कर खिताब को अपने नाम करना चाहेगा। पिछले साल घरेलू मैदान पर विश्व कप फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों में टूर्नामेंट में अहम मौकों पर अपने खेल के स्तर को ऊंचा उठाया है और जब बल्लेबाजों के प्रदर्शन में गिरावट आयी तो गेंदबाजों ने टीम को मैच जिताया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में भी ऐसा ही नजारा दिखा जब गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों को रोककर कम स्कोर वाले मैच को अपने नाम किया। केर के नाम टूर्नामेंट में अब 12 विकेट है। उन्हें दूसरे छोर से एडेन कारसन (आठ विकेट), रोसमरी मायर (सात विकेट) और अनुभवी ताहुहू का अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड ने प्रतियोगिता में अपने अभियान का आगाज भारत पर बड़ी जीत से किया था लेकिन ग्रुप चरण में उसे टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 60 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

पीवी सिंधु डेनमार्क ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारी, 57 मिनट चला मुकाबला

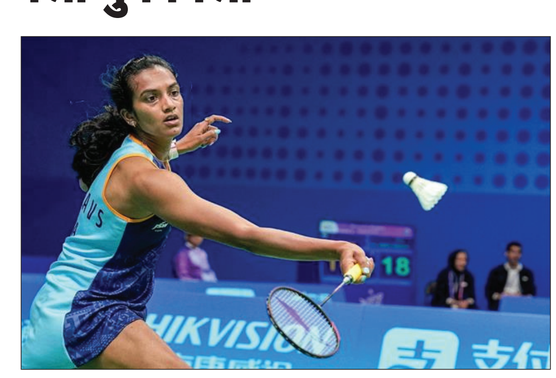

ओडेंस। भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने शुक्रवार को डेनमार्क ओपन 2024 में महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजुंग से कड़ी टक्कर के बाद 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 स्पर्धा में भारत का अभियान समाप्त हो गया। आज यहां खेले गए मुकाबले में 2 बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को 57 मिनट तक चले मैच में इंडोनेशियाई खिलाड़ी से 13-21, 21-16, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। राउंड ऑफ 16 की तरह इस मैच में भी उन्हें पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा। गेम की शुरुआत में सिंधु 4-3 से आगे चल रही थीं, लेकिन इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 9-5 की बढ़त बना ली जिसके बाद सिंधु दबाव में आ गईं। हालांकि भारतीय शटलर ने वापसी करते हुए कुछ अंक जुटाए लेकिन वह गेम जीतने के लिए नाकाफी साबित हुई। मैच के दूसरे गेम में विश्व की 18वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी वापसी करते हुए मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। इस गेम में भी सिंधु एक समय पर 9-10 से पिछड़ रही थीं लेकिन उन्होंने संयम और चपलता दिखाते हुए लगातार अंक हासिल किए और 21-16 से दूसरा गेम जीतकर मैच में बराबरी कर ली। सिंधु को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मैच का तीसरा और निर्णायक गेम जीतने की दरकार थी। आखिरी गेम 2-2 के स्कोर से शुरू हुआ लेकिन इसके बाद ग्रेगोरिया ने सिंधु के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और देखते ही देखते 10-3 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद सिंधु के पास वापसी करने का कोई मौका नहीं था। एक तरफ ग्रेगोरिया लगातार अंक हासिल कर रही थीं तो दूसरी ओर सिंधु के हाथ से सेमीफाइनल का टिकट फिसल रहा था। अंत में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने आखिरी गेम को 21-9 के बड़े अंतर से जीत कर मैच को अपने नाम कर लिया।

बाबर आजम की जगह इसे प्लेयर को मिल सकता है पाकिस्तान के वनडे और टी20 टीम की कप्तानी

स्पोर्ट्स डेस्क। पीसीबी द्वारा ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीरीज के लिए टीम की घोषणा किए जाने पर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान सफेद गेंद के प्रारूप में पाकिस्तान टीम के कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने पिछले दो दिनों में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ बैठक की है और सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन से भी सलाह ली है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र ने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट 28 अक्टूबर को समाप्त होगा और टीम को अगले दिन ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होना है, इसलिए चयनकर्ता रविवार तक सफेद गेंद की टीम की घोषणा करेंगे।' सूत्र ने कहा, 'रिजवान अपनी वरिष्ठता, एक खिलाड़ी के रूप में अपनी विश्वसनीयता और घरेलू क्रिकेट और पीएसएल में टीमों का नेतृत्व करने के अपने अनुभव के कारण सफेद गेंद के कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।'

बाबर आजम ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ दी थी और कहा था कि वह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहते हैं। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में नौ वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। स्वदेश लौटने से पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं।

सूत्र ने कहा कि चूंकि बोर्ड ने अब चयनकर्ताओं को कप्तान चुनने का अधिकार दे दिया है। आकिब, अजहर अली और अलीम डार ने जाहिर तौर पर रिजवान से बातचीत की है और उनसे यह जिम्मेदारी संभालने की इच्छा जताई है। सूत्र ने कहा कि चयनकर्ता बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए आराम दिए जाने के बाद सफेद गेंद की टीम में शामिल कर सकते हैं। पाकिस्तान ने मुल्तान में इंग्लैंड पर 152 रनों की जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज बराबर कर ली। सूत्र ने पुष्टि की, 'चयनकर्ता टीम में कुछ नए युवा खिलाड़ियों को शामिल करने के इच्छुक

हैं, इसलिए पूरी संभावना है कि वे तीन दौरों के लिए अलग-अलग टीमों की घोषणा कर सकते हैं ताकि अधिक खिलाड़ियों को मौका मिल सके और वरिष्ठ खिलाड़ियों को भी आराम मिल सके।'

ऑस्ट्रेलिया में होगी यशस्वी की सबसे बड़ी परीक्षा : ज्वाला

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम को युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यशस्वी के कोच ज्वाला सिंह का मानना है कि यश्स्वी की सबसे बड़ी परीक्षा ऑस्ट्रेलिया दौरे में होगी पर जिस एकाग्रता से वह खेलते हैं उससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलेगी। कोच ने कहा इस स्तर पर पहुंचकर ये अहम होता है कि आप दबाव को कैसे संभालते हैं। आप हमेशा तकनीक पर काम कर सकते हैं पर अगर आपके पास सही रवैया और मानसिकता नहीं है, तो आप सफल नहीं हो सकते। यशस्वी काफी परिपक्व हैं और इसका लाभ उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हालात अलग होते हैं। इसका कारण है कि वे वहां काफी कठिन क्रिकेट खेलते हैं और विपक्ष पर बेहद दबाव डालते हैं। पूर्व कोच के अनुसार टेस्ट पदार्पण के बाद से ही एक बल्लेबाज के रूप में विकास किया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ रहने से उन्हें काफी सहायता मिली है।

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

करवा चौथ

प्यार-विश्वास का त्योहार

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन – उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य – शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा – काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या – 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि – बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें – ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची – 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें– मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।
  नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥
- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

  पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा-अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव-पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन-जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग-अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सीकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

संक्षिप्त समाचार

साइबर अपराधी था कर्मचारी, पूरी कंपनी कर दी हैक

लंदन, एजेंसी। आधुनिक हो रही दुनिया से अपराधी भी अछूते नहीं हैं। इसका ताजा उदाहरण एक विदेशी कंपनी से मिलता है, जिसने गलती से एक उत्तर कोरिया के साइबर अपराधी को नौकरी पर रख लिया। नतीजा यह हुआ कि उसने कंपनी में ही सेंध लगा दी। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 से ही अधिकारी और साइबर सुरक्षा के एक्सपर्ट्स उत्तर कोरिया के सीक्रेट कर्मचारियों में इजाफा होने को लेकर चेतावनी जारी कर रहे हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, गलती से उत्तर कोरिया के साइबर अपराधी को रिमोट आईटी कर्मचारी के तौर पर नौकरी पर रखने के बाद कंपनी हैक हो गई। फिलहाल, कंपनी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। खबर है कि अपराधी ने झूठी जानकारियों की मदद से नौकरी हासिल की थी। कंपनी के कंप्यूटर नेटवर्क तक पहुंच मिलने के बाद हैकर ने संवेदनशील डेटा डाउनलोड कर दिया और फिरौती मांगने लगा। अब जागरूकता जगाने के लिए कंपनी ने इस हैक को रिपोर्ट करने की अनुमति साइबर सिक्युरिटी कंपनी सिक्योरवर्क्स को दे दी है। बीबीसी से बातचीत में सिक्योरवर्क्स ने कहा कि आइटी कर्मचारी को गर्मियों में कॉन्ट्रैक्टर के तौर पर नौकरी पर रखा था। उसने कंपनी के रिमोट वर्किंग टूल्स का इस्तेमाल किया और कॉर्पोरेट नेटवर्क में लॉगिन कर लिया था। इसके बाद उसने गुप्त रूप से कंपनी का ज्यादा से ज्यादा डेटा डाउनलोड कर लिया। खास बात है कि उसने चार महीने तक कंपनी में काम किया और सैलरी भी ली। रिपोर्ट के अनुसार, जब कंपनी ने उसे नौकरी से निकाला, तो एक फिरौती का ई-मेल आया। इस ई-मेल में चोरी हुआ कुछ डेटा भी शामिल था। हालांकि, अब तक साफ नहीं है कि कंपनी ने हैकर को फिरौती की रकम दी है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में साइबर सिक्युरिटी कंपनी मैंडिएंट ने कहा था कि फॉर्च्यून 100 की दर्जनों कंपनियों ने गलती से उत्तर कोरिया के लोगों को नौकरी पर रख लिया था। जुलाई में भी इस तरह का मामला सामने आया था, जहां उत्तर कोरिया का एक कर्मचारी हैकिंग की कोशिश करता पकड़ा गया था।

लाहौर में दुष्कर्म की वारदात के बाद हिंसा भड़की, एक छात्र की मौत; प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज में लगा दी आग

इस्लामाबाद , एजेंसी। लाहौर में एक प्राइवेट कॉलेज की छात्रा से कथित दुष्कर्म की खबर पिछले दिनों इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पाकिस्तान के पंजाब में हिंसा भड़क गई है। पुलिस के साथ झड़प में एक छात्र की मौत हो गई है। रावलपिंडी के विभिन्न कालेजों के आक्रोशित विद्यार्थी गुरुवार को सड़कों पर उतर आए और मुख्य राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने लाहौर की कालेज छात्रा के साथ सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित दुष्कर्म के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने एक कालेज की इमारत में तोड़फोड़ करने वाले प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी और गोलियां चलाईं। प्रेट्र के अनुसार रावलपिंडी में 250 छात्रों को गिरफ्तार किया गया। लगभग 200 छात्रों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पिछले चार दिनों से पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। छात्रों और उनके प्रतिनिधि संगठनों ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की सरकार पर घटना को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है, वहीं प्रांतीय सरकार ने दुष्कर्म की खबरों को फर्जी करार दिया है। पंजाब के गुजरात में बुधवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी। छात्रों ने न्याय की मांग करते हुए झेलम, फैसलाबाद में प्रदर्शन किया था। गुरुवार को विरोध प्रदर्शन लाहौर, रावलपिंडी, गुजरात, अटक, सरगोधा और पंजाब के वेहारी जिलों तक फैल गया। इंसाफ स्टूडेंट फेडरेशन सहित कई छात्र संगठनों ने प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इस बीच पुलिस ने इस सिलसिले में गुरुवार को एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया। यूट्यूबर पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने और छात्रों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप है।

चीन ने कमला हैरिस को बताया अपना फेवरेट? वजह भी बताई

बीजिंग , एजेंसी। चीनी राष्ट्रीय सलाहकार निकाय के एक वरिष्ठ सदस्य ने गुरुवार को कहा कि चीन अगले अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की जगह कमला हैरिस को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान चीन और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तेजी से बिगड़ गए थे, जिसके कारण गंभीर टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। इसलिए अब हम कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद पर देखना पसंद करेंगे। राष्ट्रीय सलाहकार निकाय- पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) की स्थायी समिति के सदस्य जिया किंग्गू ने कहा कि चीनी सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर किसी तरह की कोई भी टिप्पणी नहीं करना चाहतीहै, क्योंकि वह नहीं चाहती कि उस पर अमेरिकी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप करने का आरोप लगे। चीनी जन राजनीतिक परामर्शदात्री सम्मेलन (सीपीपीसीसी) राज्य शासन प्रणाली का एक प्रमुख घटक और एक विशिष्ट चीनी राजनीतिक संस्था है। किंग्गू ने बीबीसी को बताया कि चीनी आम जनता के विचार हैरिस और ट्रंप के बारे में अलग-अलग हैं।

भारत के गुनहगारों पर मेहरबान कनाडा, सबूतों के बावजूद ऐक्शन नहीं; कितनों का बना ठिकाना

ओट्टावा , एजेंसी। कनाडा भारत के खिलाफ खालिस्तानी गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। लेकिन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तानी अलगाववादियों पर ऐक्शन लेने की जगह भारत से सबूत मांगते रहते हैं। वैसे बात सिर्फ खालिस्तानियों पर ऐक्शन की नहीं है। भारत के गुनाहगारों को शरण देने और फिर उन पर ऐक्शन नहीं लेने का कनाडा का पुराना इतिहास है। भारत में ड्रग डीलिंग, घरेलू हिंसा और रेप के कई आरोपी कनाडा में शरण लिए हुए हैं। भारत ने इनके खिलाफ ऐक्शन के लिए कई बार कनाडा सरकार से कहा है। लेकिन हमेशा ही नतीजा ढाक के तीन पात वाला रहा है। इस तरह से कनाडा भारत के गुनाहगारों के लिए स्वर्ग बनता जा रहा है। गुरचरण सिंह भारत में चीटिंग केस में आरोपी था। साल 2003 में भारत ने कनाडा सरकार से उसके खिलाफ ऐक्शन के लिए कहा था। लेकिन कुछ नहीं हुआ। ऐसा ही ओमकार मल अग्रवाल और जसविंदर पाल सिंह वालिया के केस में भी हुआ। ओमकार मल आपराधिक षडयंत्र रचने और प्रॉपर्टी चीटिंग केस में 2016 से वॉन्टेड है। जबकि जसविंदर 2022 में गैंपरेप और ब्लैकमेल का आरोपी है। उसने यह सब साल 2014-15 में अपने स्पा की महिलाकर्मियों के साथ यह किया था। भारत के कहने पर कनाडा ने इनके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया। इसी तरह पिछले साल अपनी पत्नी के खिलाफ क्रूरता के बाद

रविंदर सिंह भी कनाडा भाग गया। कई भारतीय यहां पर अपराध करने के बाद कनाडा में अवैध रूप से रह रहे हैं। भारत ने इसकी चेक लिस्ट बनाने के लिए भी कनाडा को सुझाव दिया है। लेकिन इन सुझावों को नकार दिया जाता है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक कई बार कनाडा की सरकार से कहा गया कि 'ओपन डोर' पॉलिसी अपराधियों को फायदा पहुंचा रही है। लेकिन इस पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इतना ही नहीं, आतंकियों और अपराधियों के मामले में भारतीय अफसरों ने संदिग्धों की कॉल डिटेल और लोकेशन भी शेयर की है। कनाडा की सरकार से कहा गया कि वहां के कानून के मुताबिक ऐक्शन लिया जाना चाहिए, लेकिन कुछ हुआ नहीं। भारत ने कई अन्य मामलों में भी कनाडा सरकार को डोजियर सौंपा है।

लेकिन कनाडा ने हमेशा यह कहकर इन्हें खारिज कर दिया कि वह उसके लीगल रिक्वॉयरमेंट्स के मुताबिक नहीं हैं। इसके बाद एनआईए और आरसीएमपी के बीच औपचारिकताओं के लिए कोशिश की गई। इसके बावजूद कुछ भी नहीं किया गया। यहां तक कि 1980 में जब पंजाब में आतंकवाद चरम पर था तब भी जस्टिन ट्रूडो आतंकियों पर नरम रवैया ही रखते रहे। उन्होंने खालिस्तानी आतंकी तलविंदर परमार, जो पंजाब में हत्याओं और बमबारी की घटना में शामिल था, उसे भारत को नहीं सौंपा। बाद में यही तलविंदर कनिष्क विमान बम धमाके का मास्टरमाइंड बना, जिसमें 300 से ज्यादा लोग मारे गए। यह सिलसिला अभी तक चल रहा है जब सिख अलगाववादियों ने भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कनाडा को अपना अड्डा बना रखा है। भारत सरकार लगातार इसको लेकर अपनी चिंताएं जताता रहा है।

पन्नू केस में अब विकास यादव के खिलाफ अमेरिका से निकला अरेस्ट वॉरंट

वाशिंगटन एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो ने भारतीय नागरिक विकास यादव को मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल किया है। साथ ही, उसके खिलाफ अरेस्ट वॉरंट भी जारी हुआ है। यादव पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, भारतीय रॉ अधिकारी रहे विकास यादव ने पिछले साल गर्मियों में सिख अलगाववादी की हत्या की साजिश रची। दावा किया गया कि 39 वर्षीय यादव कैबिनेट सचिवालय में कार्यरत था, जहां भारत की विदेशी खुफिया सेवा अनुसंधान और विश्लेषण विंग (ऋ्र) का मुख्यालय है। यादव अब सरकारी कर्मचारी नहीं है। उस पर 3 आरोप लगाए गए हैं, जिनमें भाड़े के अपराधियों की मदद से हत्या को अंजाम देने का प्रयास और धन शोधन की साजिश शामिल है। न्याय विभाग ने कहा कि यादव अब भी फरार है। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने दावा किया कि आरोपी एक भारतीय सरकारी कर्मचारी रहा है। उसने कथित तौर पर आपराधिक सहयोगी के साथ मिलकर साजिश रची और अमेरिका की धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या करने का प्रयास किया। रे ने आगे कहा, अमेरिका में रहने वालों के खिलाफ हिंसा या प्रतिशोध के अन्य प्रयासों को स्नक्च बर्दाश्त नहीं करेगी। हम विदेशी नागरिकों का पता लगाने, उन्हें रोकने और जवाबदेह ठहराने के लिए अपने सहयोगियों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अंतरराष्ट्रीय दमन के ऐसे कृत्यों में शामिल होने की फिराक में हैं। 18 पन्नों के अभियोग पत्र में विकास यादव की मिलिट्री यूनिफॉर्म में एक तस्वीर है। न्यूयॉर्क में एक कार में 2 व्यक्तियों की ओर से डॉलर का आदान-प्रदान करने की फोटो भी है।

किलर ड्रोन के इंजन-पुर्जे रूस को दिए? दो चीनी कंपनियों पर बैन लगा आमने-सामने हुए यूएस और ड्रैगन

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने आज (गुरुवार) को हमलावर ड्रोन के इंजन और पुर्जे बनाने वाली दो चीनी कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी सरकार ने कहा है कि इन कंपनियों ने लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन बनाने में रूस की सीधे मदद की जिनका इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में किया गया। पाबंदी लगाने की घोषणा से पहले नाम न बताने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने पहले चीन पर इस बात के लिए आरोप लगाया था कि वह यूक्रेन के खिलाफ क्रेमलिन के युद्ध को जारी रखने के लिए रूस के सैन्य-औद्योगिक आधार को भौतिक सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवीनतम प्रतिबंधों का उद्देश्य बीजिंग और मॉस्को के बीच 'प्रत्यक्ष गतिविधि' को निशाना बनाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि रूस के गार्पिया श्रृंखला के लंबी दूरी के हमलावर ड्रोन रूसी रक्षा कंपनियों के सहयोग से चीन में डिजाइन और निर्मित किये गये जिनका उपयोग यूक्रेन में युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए किया गया। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर तबाही हुई। बीजिंग ने इस बात पर जोर दिया है कि वह यूक्रेन या रूस को हथियार उपलब्ध नहीं कराता है तथा उसने रूस के साथ अपने व्यापार को सामान्य तथा पारदर्शी बताया है। अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन इंजन बनाने वाली ज़ियामेन लिम्बाच एयरक्राफ्ट इंजन कंपनी और रूसी कंपनी के साथ काम करने वाली रेडलेपस वेक्टर इंडस्ट्री पर अमेरिका प्रतिबंध लगा रहा है।

समाप्त हो जाएगा युद्ध! बेंजामिन नेतन्याहू ने किया बड़ा एलान, मगर हमास के सामने रखी नई शर्त

तेल अवीव , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने हमास नेता याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद गाजा के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान नेतन्याहू ने कहा कि अगर हमास इजरायली बंधकों को वापस करने और हथियार डालने पर राजी हो जाता है तो कल युद्ध समाप्त हो जाएगा। अब देखना यह होगा कि हमास क्या बेंजामिन नेतन्याहू के प्रस्ताव को मानता है? बता दें कि याह्या सिनवार को इजरायली सेना ने 17 अक्टूबर को ढेर किया। सिनवार 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। इजरायल ने ठीक एक साल 10 दिन बाद सिनवार को ढेर किया। उसके साथ दो अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो संदेश में बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि याह्या सिनवार मर चुका है। राफा में इजरायल के बहादुर सैनिकों ने उसे मार गिराया है। हालांकि यह गाजा में युद्ध का अंत नही हैं। मगर यह शुरुआत जरूर है। गाजा के लोगों के लिए मेरा सीधा संदेश है कि युद्ध कल समाप्त हो सकता है, लेकिन यह तब ही समाप्त होगा जब हमास अपने हथियार डाले। इजरायली बंधकों को वापस करे। नेतन्याहू ने जानकारी दी है कि हमास ने गाजा में 101 लोगों को बंधक बना रखा है। इनमें इजरायल समेत 23 देशों के नागरिक शामिल हैं।

हमास में अब कौन लेगा याह्या सिनवार की जगह, इजरायल ने दी खौफनाक मौत; चर्चा में 4 नाम

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास के टॉप लीडर याह्या सिनवार को ढेर कर दिया है। इजरायल का आरोप है कि याहया सिनवार ने ही बीते साल 7 अक्टूबर को हमले की पूरी साजिश रची थी और वह मास्टरमाइंड था। अब इजरायल ने 61 साल के याहया सिनवार को खत्म करके बड़ी सफलता का दावा किया है। इस बीच हमास का नेतृत्व अब कौन करेगा, इसकी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। याहया सिनवार ने हमास को बीते दो दशकों में मजबूत किया था और वह ईरान का बेहद करीबी था। ऐसे में अब उसके बदले में कौन नेतृत्व कर पाएगा, इसकी तलाश तेज है। फिलहाल इसके लिए कुछ नाम चर्चा में हैं।

कौन है महमूद अल-जाहर : याहया सिनवार की जगह महमूद अल-जाहर का नाम भी चर्चा में है। वह हमास का संस्थापक सदस्य रहा है। वह सिनवार से भी ज्यादा कट्टरपंथी माना जाता है। माना जाता है कि वह हमास का विचारक है, जो एक तरफ इजरायल के साथ हथियारबंद लड़ाई की बात करता है तो वहीं गाजा में शासन को लेकर भी नीतियां तय करता है। वह 2006 में गाजा में बनी हमास की सरकार का विदेश मंत्री रहा है। उस चुनावी जीत में जाहर का अहम रोल बताया जाता है।

याहया का भाई मोहम्मद सिनवार भी रेस में : याहया सिनवार का भाई मोहम्मद सिनवार भी उसकी जगह लेने की रेस में है। अपने भाई की तरह ही वह भी हमास की सेना में लंबे समय से सक्रिय रहा है। कहा जा रहा है कि वह भी अपने भाई याहया की तरह ही कट्टर है।

उसके हमास की कमान संभालने को लेकर अमेरिका भी चिंता जता चुका है। अमेरिका का कहना है कि मोहम्मद सिनवार यदि लीडर बना तो फिर शांति वार्ता मुश्किल होगी। मोहम्मद सिनवार की खासियत यह है कि वह खुद को चर्चाओं से दूर रखता है। उसे भी कई बार इजरायल ने मारने की कोशिश की थी, लेकिन वह हर बार बच निकला।

मूसा अबू मरजौक के नाम की भी चर्चा : मास का नेतृत्व संभालने की रेस में मूसा अबू मरजौक भी है। वह हमास के पॉलिटिकल ब्यूरो का वरिष्ठ सदस्य है। 1980 में फिलिस्तीन में सक्रिय मुस्लिम ब्रदरहुड से अलग होकर हमास का गठन करने में उसकी अहम भूमिका रही है। कगा जाता है कि वह हमास के वित्तीय मामलों को संभालता रहा है। कतर में बैठा खलील अल-हय्या भी इस रेस में है। चर्चा है कि उसने ही इजरायल के साथ सीजफायर की चर्चाओं में हिस्सा लिया था। उसे बहुत हार्डलाइनर नहीं माना जाता है। ऐसे में यदि हमास जंग रोकने के लिए इजरायल के साथ बातचीत का इच्छुक होगा तो फिर अल-हय्या को भी कमान देने पर चर्चा हो सकती है। खलील अल-हय्या पर भी इजरायल ने 2007 में हमला किया था।

लंदन की ओर बढ़ रही थी एयर इंडिया की फ्लाइट, ब्रिटेन ने भेज दिया लड़ाकू विमान; बम की धमकी से हड़कंप

लंदन, एजेंसी। पिछले तीन-चार दिन में 20 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और धमकी के कारण कई विमानों को अलग-अलग जगहों पर लैंड करना पड़ा है। गुरुवार को भी ये सिलसिला जारी रहा। मुंबई से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद ब्रिटेन ने अपने लड़ाकू जहाज को आसमान में भेज दिया। रॉयल एयर फोर्स ने गुरुवार को एक टाइफून लड़ाकू विमान को एयर इंडिया के विमान को रोकने के लिए भेजा, जिसे बम धमकी मिली थी। हालांकि बाद में वह विमान सुरक्षित रूप से लंदन में उतरा। एयरलाइन अधिकारी के अनुसार, यह धमकी मुंबई से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान को मिली थी। रॉयल एयर फोर्स के प्रवक्ता ने कहा, हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि रॉयल एयर फोर्स के क्यूआरए (क्विक रिएक्शन अलर्ट) टाइफून लड़ाकू विमान को आज दोपहर एक नागरिक विमान की जांच के लिए लॉन्च किया गया था। प्रवक्ता ने आगे कहा कि बिना किसी घटना के इंटरसेप्शन के बाद विमान को उसकी मूल मंजिल की ओर बढ़ने की

अनुमति दी गई। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि अब यह मामला पूरी तरह से नागरिक अधिकारियों के नियंत्रण में है। एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि फ्लाइट सुरक्षित रूप से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर लैंड हो गई। इससे पहले इंग्लैंड के ईस्ट एंग्लिया क्षेत्र में एक तेज आवाज सुनाई दी, जो कि जेट विमानों के ऑपरेशनल कारणों से सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने के दौरान उत्पन्न हुई थी। नॉरफॉक पुलिस ने अपने बयान में कहा, पुलिस पुष्टि कर सकती है कि आज दोपहर (17 अक्टूबर) काउंटी में निवासियों द्वारा सुनी गई तेज आवाज रॉयल एयर फोर्स के विमानों के कारण हुई सोनिक बूम थी और यह कोई विस्फोट नहीं था। नागर विमानन मंत्रालय विमानों में बम होने की धमकी की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े नियम लागू करने और दोषियों को 'नो फ्लाई' सूची में शामिल करने की योजना बना रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि मंत्रालय नागरिक उड्डयन नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रहा है ताकि एयरलाइनों को बम की धमकी देने वाली घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। विभिन्न भारतीय एयरलाइन की कम से कम 25 उड़ानों को चार दिन में बम की धमकियां मिल चुकी हैं।

अलर्ट, अलर्ट, अलर्ट! धरती के पास तेजी से आ रही स्टेडियम के बराबर की तबाही

वाशिंगटन एजेंसी। अंतरिक्ष में एस्टेरोइड्स लगभग रोजाना ही धरती की ओर तेजी गति से बढ़ते हैं। काफी दूरी होने के चलते इन एस्टेरोइड्स के धरती से टकराने की संभावना नहीं रहती है, लेकिन इसके बाद भी अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा समेत अन्य की नजर लगी रहती है। अब एक बार फिर से एक बड़ा साइज का एस्टेरोइड आज पृथ्वी के पास आने जा रहा है। इस तबाही का साइज किसी स्टेडियम के बराबर लगभग 710 फीट चौड़ा है। यह 17 अक्टूबर को पृथ्वी के पास से गुजर सकता है। ऐसे में सभी अलर्ट हैं। आज आ रहे एस्टेराइड का नाम 2024 आरवी 50 है। हालांकि, राहतभरी बात यह है कि नासा ने कन्फर्म किया है कि इस एस्टेरोइड से धरती को कोई खतरा नहीं है। एस्टेरोइड जिन्हें अक्सर छोटे ग्रह कहा जाता है, हमारे सौर मंडल में परिक्रमा करते हैं। ये चट्टानी पिंड 4.6 अरब साल पहले सौर मंडल के निर्माण के अवशेष हैं। ग्रहों के विपरीत, क्षुद्रग्रहों में वायुमंडल नहीं होता है और वे आकार और संरचना में अलग-अलग होते हैं। नासा लगातार मॉर्डन तकनीक के बल पर इन एस्टेरोइड्स की गतिविधियों पर नजर रखता है। ये तकनीकें वैज्ञानिकों को पृथ्वी के लिए संभावित खतरों की भविष्यवाणी करने में मदद करती हैं। बता दें इसी तरह के एक एस्टेरोइड की वजह से ही डायनासोर 66 मिलियन साल पहले पृथ्वी से विलुप्त हुए थे। इसी से

अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि ये एस्टेरोइड धरती से टकराते हैं तो कितना बड़ा नुकसान हो सकता है। हालांकि, इस बार इसके टकराने की आशंका नहीं है। बता दें कि समय-समय पर धरती के पास से एस्टेरोइड्स गुजरते रहते हैं। नासा ही नहीं, इसरो के वैज्ञानिकों की भी इन पर करीब से नजर रहती है। हाल ही में दो एस्टेरोइड्स गुजरे थे। एक का नाम 2024 ञ्चक्र2 था, जिसका साइज 87 फीट था। वहीं, दूसरे एस्टेरोइड का नाम 2024 ञ्च3 था। इन दोनों पर भी वैज्ञानिकों की करीब से नजर थी, लेकिन राहतभरी बात रही कि ये दोनों भी धरती से काफी दूर से ही गुजर गए थे।

10 साल में एक ट्वीट... पाकिस्तानी स्कॉलर क्यों कर रहे जयशंकर की जय-जयकार, पर पाक मीडिया को लताड़

शंघाई , एजेंसी। शंघाई सहयोग संगठन के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिनों के पाकिस्तान दौरे पर थे। पिछले नौ साल में किसी भारतीय नेता का यह पहला पाकिस्तान दौरा था। इस्लामाबाद पहुंचने पर पाकिस्तान ने उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया। इतना ही नहीं पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आगे बढ़कर उनसे हाथ मिलाया और बातचीत की। स्ष्टह्र बैठक के बाद बुधवार को जब जयशंकर भारत लौट रहे थे, तब उन्होंने एक ट्वीट किया, जिसकी पाकिस्तान मीडिया में जमकर तारीफ हो रही है।

पाक मीडिया में जयशंकर के ट्वीट को आगे के लिए रास्ता खोलने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही वहां के बुद्धिजीवी और स्कॉलर इस पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या जयशंकर के इस्लामाबाद दौरे के बाद से दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल सकेगी। पाकिस्तान के नामी स्कॉलर डॉ. कमर चीमा ने इसे पाकिस्तान के लिए शुभ संकेत बताया है और कहा है कि पिछले दस सालों में पहली बार किसी भारतीय नेता ने पाकिस्तान के बारे में सुखद ट्वीट किया है। दरअसल, जयशंकर ने इस्लामाबाद से नई दिल्ली रवाना होने से पहले बुधवार को एक ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को मेहमाननवाजी के लिए शुक्रिया कहा था। जयशंकर ने अपने ट्वीट में पाक विदेश मंत्री इशाक डार का भी उल्लेख किया था। पाकिस्तानी मीडिया जयशंकर के इस ट्वीट और उनके बयानों की तारीफ कर रहा है। कमर चीमा ने एक पॉडकास्ट में इसका उल्लेख करते हुए कहा है कि जयशंकर का यह कदम जबर्दस्त है। चीमा ने कहा, आप क्या समझते हैं, यह मजाक है। आप जयशंकर के पिछले 10 सालों

के ट्वीट को पलटकर देख लें या भारतीय विदेश मंत्रालय के ट्विटर हैंडल को खंगाल लें, या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का ट्विटर हैंडल चेक कर लें और बताएं कि इतने दिनों में इनमें से किसी का भी एक भी ट्वीट हो, जिससे यह संकेत मिलता हो कि दोनों देश करीब हो रहे हैं। इस पॉडकास्ट में कमर चीमा उन लोगों को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं, जो इस बात को उठा रहे हैं कि स्ष्टह्र समिट के दौरान कश्मीर का जिक्र क्यों नहीं किया, जबकि अफगानिस्तान का जिक्र किया गया। कमर चीमा ने आगे कहा कि अफगानिस्तान का जिक्र इसलिए किया गया क्योंकि इससे भारत-पाक दोनों के हित नहीं जुड़े थे, जबकि कश्मीर पर दोनों देशों के बीच विवाद पुराना है और यह द्विपक्षीय मुद्दा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया का प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद क्यों आया था, क्या यह भी बताने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी स्थिति आती तो भारतीय मीडिया उस मुद्दे को वहीं से ग्लोबलाइज कर सकती थी। चीमा ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने कश्मीर का राग अलापा होता तो जयशंकर वहीं उसका करारा जवाब दे देते। बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच इस दौरान दो मौकों पर अनौपचारिक बातचीत हुई और उनमें से एक में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। राजनयिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि जयशंकर की इस्लामाबाद यात्रा से रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली है। सूत्रों ने ये भी बताया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा एससीओ प्रतिनिधियों के लिए अपने आवास पर आयोजित रात्रिभोज में जयशंकर और डार के बीच एक अलग बैठक हुई।

मुजफ्फरनगर में मेंहदी जिहाद के खिलाफ सड़कों पर संयुक्त हिंदू मोर्चा

–मेहंदी उनसे लगवाओ जो आपके त्यौहार मनाते

मुजफ्फर नगर ।मुजफ्फरनगर में हिंदुओं के पावन पर्व शुरू होते ही इस बार संयुक्त हिंदू मोर्चा सड़कों पर उतर गया है। मोर्चे के सदस्य नगर के हर बाजार में हिंदू महिलाओं और लड़कियों को खुलकर बात कर कह रहे हैं कि मेहंदी उनसे लगवाओ जो आपके त्यौहार मनाते हैं। सामान उनसे खरीदों जो सनातनी कहलाते हैं। रविवार को करवा चौथ से पहले ही बाजारों में हिंदू महिलाएं और लड़कियां मेहंदी लगवाने बाजारों में आती हैं।मुजफ्फरनगर में संयुक्त हिंदू मोर्चा के संस्थापक के आह्वान पर शनिवार को पूर्व घोषित घोषणा के अनुसार शिव सेना नेताओं ने करवा चौथ पर मेहंदी जेहाद रोकने के लिए बाजारों में घूम कर महिलाओं और लड़कियों को जागरूक करने का अभियान चलाया।शनिवार को शिव सेना प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी, जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा, मंडल महासचिव राजेश कश्यप, अन्य पदाधिकारियों के साथ नई मंडी बिंदल बाजार, शिव चौक, भगत सिंह रोड पर मेहंदी लगाने वाले स्टालों पर पहुंचे ओर वहां मेहंदी लगा रहे युवकों से पूछताछ कर यह सुनिश्चित किया कि कोई जेहादी युवक तब मेहंदी नहीं लगा रहा।कहीं भी कोई जेहादी नजर नहीं आया।हिंदू नेतओं ने सभी व्यापारी बंधुओं को अभियान में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया एवं मेहंदी लगवा रही अपनी बहन बेटियों से भी पुन: हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए कहा कि मेहंदी लगवाने से पहले आप यह सुनिश्चित कर ले कि मेहंदी लगाने वाला व्यक्ति कौन है किस समुदाय का है अपनी संतुष्टि करने के बाद ही मेहंदी लगवाओ।

हरिद्वार में मजार नुमा धार्मिक संरचना पर बुलडोजर एक्शन

हरिद्वार । उत्तराखंड के हरिद्वार के टिहरी बांध परियोजना पुनर्निवास मंडल ऋषिकेश सिंचाई विभाग की जमीन पर अवैध रूप से मजार नुमा धार्मिक संरचना बनाया गया था।इस मजार नुमा संरचना को शनिवार को डीएम के आदेश पर गिरा दिया गया। जिस वक्त मजार नुमा अवैध इमारत को गिराया, तब बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात थी।इसके साथ ही मौके पर विभाग के बड़े अधिकारी भी मौजूद थे।अवैध मजार नुमा धार्मिक संरचना को गिराने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बुलडोजर इमारत को तोड़ रहा है।जबकि आसपास पुलिस फोर्स भी तैनात है।अवैध मजार नुमा संरचना को गिराने का आदेश डीएम हरिद्वार कर्मेन्द्र सिंह की ओर से दिया गया है।आदेश के बाद एसडीएम अजयवीर सिंह ने नेतृत्व में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई है।

राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी... बीजेपी विधायक पर मामला दर्ज

नई दिल्ली ।कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ जनसभा के दौरान कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पर मामला दर्ज हुआ है।पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। कांग्रेस नगर पार्षद परशुराम होसामनी की शिकायत पर मामला दर्ज किया।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 अक्टूबर को यतनाल ने राहुल और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए।शिकायत के आधार पर गांधी चौक पुलिस थाने में यतनाल के खिलाफ शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करने और झूठी एवं भ्रामक जानकारी फैलाने का मामला दर्ज किया गया।

सलमान के घर की बढ़ाई गई सुरक्षा, एके–47 के साथ सुरक्षाकर्मी हुए तैनात

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर लगभग 30 पुलिसकर्मी हाई टेक हथियारों के साथ तैनात किए गए हैं। गैलेक्सी अपार्टमेंट के आसपास पुलिस के जवान एके–47 जैसे घातक हथियारों के साथ मौजूद हैं।पुलिस उस शख्स की तलाश कर रही है, जिसने मुंबई ट्रैफिक पुलिस को सलमान खान के नाम धमकी भरा मैसेज भेजा था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह धमकी वाकई में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी हुई है या कोई और गैंग स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के नाम मुंबई ट्रैफिक पुलिस को धमकी भरे संदेश मिलने के बाद उनके घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया गया है।बता दें कि शुक्रवार को मुंबई ट्रैफिक पुलिस को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के नाम पर एक धमकी भरा संदेश मिला है।धमकी भरे संदेश में अभिनेता सलमान खान से 5 करोड़ रुपए की मांग की गई है।मुंबई ट्रैफिक पुलिस के वाट्सएप नंबर पर भेजे गए संदेश में कहा गया है कि इसे हल्के में न लें। अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं और लॉरेंस बिश्नोई से अपनी दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं, तो उन्हें 5 करोड़ रुपये देने होंगे। मैसेज में आगे चेतावनी दी गई है कि अगर पैसे नहीं दिए गए, तो सलमान खान की स्थिति बाबा सिद्दीकी से भी बदतर होगी।

बिहार में दर्दनाक हादसा : गंगा जल लेकर आ रहे कांवरियों को ट्रक ने कुचला

बांका (ईएमएस)। बिहार के बांका जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है।फूलीडूमर थाना क्षेत्र के नगरडीह गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक कांवरियों के झुंड में घुस गया।इस घटना में 5 कांवरियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।सभी कांवरिये सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर गौरनाथ महादेव मंदिर की ओर यात्रा कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा–अर्चना के लिए यात्रा पर थे, जब तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया।

खालिस्तानियों से ट्रूडो का प्रेम बढ़ा और भारत से रिश्तों में आई दरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तानी समर्थकों के मोहपांस में बंध गए हैं। उन्हे लगता है कि इन समर्थकों की दम पर उनकी राजनीति चमकती रहेगी। लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं है। वजह ये है कि वहां बड़ी संख्या सांसद ट्रूडो के विरोध में खड़े हो गए हैं। खालिस्तान प्रेम में भले ही जस्टिन ट्रूडो को कनाडा में सिख राजनीति चमकाने में कामयाबी दिख रही हो, लेकिन वो यह भूल गए कि ऐसा करने के लिए उन्होंने दो देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंधों को ताक पर लगा दिया है। ऐसे में वो अब कनाडा की बहुसंख्यक आबादी की आंख का रोडा बनने लगे हैं। अपने ही सांसद ट्रूडो से सवाल पूछ रहे हैं कि बिना ठोस सबूत के वो बार-बार हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में भारत को क्यों मोहरा बना रहे हैं। कनाडा के इस गंदे खेल में भारत में खालिस्तान आतंकवाद और ऑर्गेनाइज्ड क्राइम भी तेजी से पनपने लगा है।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर बार-बार भारत को लेकर जस्टिन ट्रूडो ये यूटर्न वाली राजनीति क?यों कर रहे हैं। इसकी वजह है कनाडा में सिखों का वर्चस्व और ट्रूडो की गठबंधन सरकार। दुनिया के दूसरे हिस्सों से आने वाले ज़्यादातर अप्रवासियों की तुलना में सिखों के पास कनाडा में ज़्यादा ताकत है। कनाडा में सिखों की आबादी पिछले 20 सालों में करीब दोगुनी हो गई है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बाद उपजा भारत-कनाडा विवाद इस वक्त एक बार फिर अपने चरम पर है।

साल 2023 में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर निज्जर की मौत का इल्जाम लगाते हुए बड़े विवाद को जन्म दिया था। इसके बाद ट्रूडो कितनी बार पलटी मार चुके हैं, शायद यह बात को खुद उन्हें भी नहीं पता होगी। एक तरफ वो अपने उल-जलूल आरोपों के बाद भारत के एक्शन पर बिलबिलाते नजर आते हैं और दूसरे ही पल वो भारत को कनाडा का अहम साझेदार देश बताने से भी नहीं चूकते। अब सवाल यह है कि खालिस्तान प्रेम में चूर जस्टिन ट्रूडो क्यों भारत-कनाडा संबधों की कब्र खोदने में लगे हुए हैं।

हद तो तब हो गई जब एक साल पहले भारत पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाने के बाद अब ट्रूडो ने इस मर्डर केस की जांच के दायरे में कनाडा में भारतीय दूतावास के अधिकारियों को भी जोड़ दिया। इसके बाद वो अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को भारत के खिलाफ लामबंद करने में लग गए। अमेरिका और ब्रिटेन की तरफ से भी भारत को यह नसीहत दे दी गई कि वो कनाडा की जांच में सहयोग करे। फिर एक बड़ी पलटी मारते हुए कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को यह कहकर हर किसी को चौंका दिया कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत की भूमिका के संबंध में कोई सबूत नहीं सौंपे गए हैं। केवल कनाडाई खुफिया एजेंसी के इनपुट की कोरी जानकारी भारत को दी गई है, जिसमें इस हत्या में भारत के एजेंट का हाथ होने की बात सामने आई है।

अगर मैं सत्ता में आ गया तो जाति को गाली देने वालों को राजनीति नहीं करने दूंगा : पप्पू यादव

छपरा।पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सारण और सिवान में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे।पप्पू यादव ने पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात कर दस–दस हजार की आर्थिक मदद दी है।सांसद पप्पू यादव ने कहा कि जो लोग नफरत पैदा कर रहे हैं और जाति को गाली दे रहे हैं, उनसे मेरा आग्रह है कि त्रिशूल और जाति को गाली देना बंद कीजिए।ये बिहार है।सबको सिखा देता है।मैं जिस दिन सत्ता में आ गया तो जाति को गाली देने वालों को राजनीति नहीं करने दूंगा।न उनको कभी टिकट देंगे।कानून लाएंगे कि कोई भी दल ऐसे लोगों को टिकट नहीं दे सकेगा।पप्पू यादव ने जहरीली शराब से हुई मौतों की घटना पर कहा कि इससे बड़ी दुखद घटना नहीं हो सकती है।यह मौत नहीं है, बल्कि हत्या है। इस हत्या में जो भी शामिल हैं, उनके खिलाफ केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना की तर्ज पर कानूनी कार्रवाई कर आजीवन कारावास की सजा दी जाए। इसके पहले भी इस तरह की घटनाओं में केस कमजोर किया गया है। इसके पहले भी ऐसी घटना में मैं आया था, उसमें न थाने पर कार्रवाई, न किसी पदाधिकारी पर कार्रवाई और न बेचने और बनाने वालों पर कोई कार्रवाई हुई।उन्होंने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि बेचने और बनाने वालों को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान हो।उनको कभी भी जमानत नहीं मिले. ऐसी घटना से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारी को नौकरी से बर्खास्त कर देना चाहिए और उसके ऊपर हत्या का केस दर्ज होना चाहिए। पप्पू यादव ने कहा एक नेता ने कहा कि लोग तो मरते रहते हैं।मैं उस नेता से पूछना चाहता हूं कि जब बिहार में शराब चालू थी, तब ऐसा नहीं हो रहा था क्या।तब भी तो लोग मर रहे थे।इस जहरीली शराब पर कब बैन लगेगा।

सलमान खान के पिता सलीम खान का लॉरेंस बिश्नोई गैंग को जवाब: सलमान माफी नहीं मांगेगा

मुंबई (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई द्वारा बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को मिली धमकियों के बीच उनके पिता सलीम खान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सलमान किसी से माफी नहीं मांगेगा। सलीम खान का यह बयान उस वक्त आया है जब मुंबई पुलिस को सलमान खान के खिलाफ 5 करोड़ रुपये की फिरौती और जान से मारने की धमकी भरा मैसेज मिला था। धमकी में सलमान की स्थिति एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी से भी बदतर करने की बात कही गई थी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से लगातार मिल रही धमकियों के बाद सलमान खान की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। सलीम खान ने एक इंटरव्यू में साफ किया कि उनका बेटा सलमान कभी किसी जानवर को नहीं मारेगा और न ही कभी माफी मांगेगा। उन्होंने कहा, सलमान ने कभी किसी जानवर को नहीं मारा, यहां तक कि साधारण कॉकरोच को भी नहीं। हम हिंसा में विश्वास नहीं रखते हैं।

सलीम खान ने कहा कि बाबा सिद्दीकी की हत्या और सलमान खान के बीच कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परिवार इस बात से हैरान है कि कैसे इन दोनों घटनाओं को जोड़ा जा रहा है। उनका मानना है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या संपत्ति विवाद से जुड़ी है और इसका सलमान खान से कोई लेना-देना नहीं है।

बीइंग ह्यूमन से हजारों लोगों को मदद

सलीम खान ने यह भी कहा कि सलमान खान के संगठन बीइंग ह्यूमन ने हजारों लोगों की मदद की है। कोविड-19 महामारी के बाद भले ही इसमें गिरावट आई हो, लेकिन इससे पहले हर दिन 400 से अधिक लोग मदद की उम्मीद में आते थे। कुछ को सर्जरी की जरूरत होती थी, जबकि कुछ को अन्य सहायता की।

प्रजापति सम्मेलन में कन्हैया कुमार पहुंचे, लेकिन तेजस्वी यादव ने बनाई दूरी

– विपक्षी एकता पर उठे सवाल

–12 जून को विपक्षी दलों की होनी है महत्वपूर्ण बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार में 12 जून को विपक्षी एकता को लेकर बैठक होने वाली है, लेकिन इससे पहले ही प्रजापति समाज के सम्मेलन में कुछ खास राजनीतिक घटनाएं देखने को मिलीं, जिससे विपक्षी एकता पर सवाल उठने लगे हैं। पटना के बापू सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। मंच पर उनकी कुर्सी खाली रह गई, जिससे कई राजनीतिक अटकलें शुरू हो गईं।

इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शिरकत की। हालांकि, जब तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी को लेकर उनसे सवाल पूछा गया, तो कन्हैया कुमार ने इस पर चुप्पी साध ली और पत्रकारों के सवाल को टालते हुए कहा, अध्यक्ष जी कुछ कह रहे हैं, उनकी बात सुनिए।

कार्यक्रम में तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने भी गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने कहा, उप मुख्यमंत्री से हमारी बात नहीं हुई थी। उनके सहयोगी ने कहा कि विभाग का कार्यक्रम है, इसलिए वह वहां जा रहे हैं।

प्रजापति सम्मेलन के आयोजक और प्रदेश महासचिव पिंटू गुरुजी ने तेजस्वी यादव के मंच पर न पहुंचने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, हमारे समाज के लोग आरजेडी को वोट देते थे और लालू प्रसाद यादव हमारे समाज के लिए बहुत काम किए हैं। हम चाहते थे कि तेजस्वी यादव हमारे समाज के साथ मंच साझा करें, लेकिन उन्होंने दूरी बना ली, जिसका हमें खेद है। तेजस्वी यादव की इस दूरी और कन्हैया कुमार की उपस्थिति ने विपक्षी एकता को लेकर कुछ गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर तब जब 12 जून को पटना में विपक्षी दलों की महत्वपूर्ण बैठक होनी है।

बलवाइयों की कुटाई, दंगाइयों की ठुकाई समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी: नकवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बहराइच में हाल ही में हुई हिंसा और एनकाउंटर को लेकर कहा कि बलवाइयों की कुटाई और दंगाइयों की ठुकाई समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी है। बहराइच में हालिया हिंसा में कई लोगों के बीच झड़पें हुईं थी, जिससे प्रशासन और पुलिस को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नकवी ने कहा कि अगर समाज को सुरक्षित करना है, तो इस तरह के बलवाई और दंगाईयों की ठुकाई और कुटाई देश के हित में है। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई को समाज में शांति स्थापित करने और दंगाइयों को कड़ी सजा देने के लिए जरुरी बताया। उन्होंने बलवाइयों और दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरुरत पर जोर देते हुए कहा कि हमारा समाज जब तक सुरक्षित नहीं होगा, तब तक विकास और शांति संभव नहीं है। नकवी ने यह साफ कर दिया कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाने से ही समाज में स्थिरता और सुरक्षा स्थापित की जा सकती है।

नकवी ने आगे कहा कि बीजेपी जो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के साथ महान राष्ट्रवादी पार्टी भी है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों और हिस्सों को साथ लाने की जरुरत पर जोर दिया और कहा कि कुछ हिस्से बीजेपी से एलर्जी को बीजेपी विरोधियों की ऊर्जा बनाकर अपने और समाज के लिए नुकसान कर रहे हैं। नकवी ने ऐसे लोगों को भी बीजेपी के साथ जुड़ने की अपील की, जो किसी कारणवश राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं।

मोहन सरकार में महिलाओं और बच्चियों के लिए असुरक्षित प्रदेश बनता जा रहा मध्यप्रदेश

कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर बोला जोरदार हमला

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने चिंता जताकर राज्य की मोहन यादव सरकार पर हमला बोला है। कमलनाथ का आरोप है कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा खड़ा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य में पिछले दिनों हुई घटनाओं का जिक्र कर कहा कि राज्य दिन-प्रतिदिन महिलाओं और बच्चियों के लिए असुरक्षित प्रदेश बनता जा रहा है। पिछले दो माह में जिस तरह से बच्चियों और महिलाओं के साथ बलात्कार एवं सामूहिक दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं, उससे महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए है।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं से बलात्कार के मामले में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। इस अवधि में मप्र में बलात्कार के 3,029 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा 3,049 महिलाएं छेड़खानी का शिकार हुई और 1445 महिलाएं शारीरिक शोषण का शिकार हुई। प्रदेश में पास्को से जुड़े अपराधों में 5,951 मामले दर्ज हुए इसमें से बलात्कार के 3,641 मामले हैं। महिलाओं और नाबालिग से हुए बलात्कारों को देखने पर प्रदेश में हर दिन 18 बलात्कार हो रहे हैं।

कमलनाथ ने कहा कि महिला अधिकारों के प्रति मोहन सरकार कितनी असंवेदनशील है, यह इस बात से समझा जा सकता है कि पिछले चार वर्ष से राज्य महिला आयोग में अध्यक्ष का पद खाली पड़ा है। महिला आयोग में शिकायतों का अंबार लगा हुआ है लेकिन सुनवाई करने के लिए कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है। कमलनाथ ने भाजपा सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाकर कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा किसी भी राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा लगता है कि पहले शिवराज सिंह की सरकार और अब मोहन सरकार में बेटियां लगातार असुरक्षित बनी हुई हैं।

बीते कुछ समय में हुई घटनाओं का जिक्र कर कमलनाथ ने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं से प्रदेश का सिर शर्म से झुक जाता हैं। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ यादव स्वयं गृह मंत्री हैं, उन्हें इन मामले में सख्त कदम उठाना चाहिए और कानून व्यवस्था का ऐसा माहौल प्रदेश में तैयार किया जाए कि अपराधी इस तरह का कदम उठाने से भयभीत हों।

डॉक्टरों से अनशन समाप्त करने की ममता ने की अपील, सोमवार को हो सकती है मुलाकात

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के आमरण अनशन जारी रखने के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को उनसे काम पर लौटने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि जो मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं उन्हें कुछ समय में पूरा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कुछ चर्चा बाकी रह गई तो वह सोमवार को उनसे मिलेंगी। बनर्जी शनिवार दोपहर को उनसे फोन पर बात कर रही थी, जब मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने धर्मतला में घटनास्थल का दौरा किया था, जहां जूनियर डॉक्टर आरजी कर मेडिकल कॉलेज में अपने सहकर्मी के साथ बलात्कार और हत्या को लेकर आमरण अनशन पर बैठे थे।

विरोध कर रहे डॉक्टरों से बात करते हुए सीएम बनर्जी ने कहा कि हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन इसका स्वास्थ्य सेवाओं पर असर नहीं पड़ना चाहिए। डॉक्टरों को आश्वस्त करते हुए बनर्जी ने कहा कि आपकी अधिकांश मांगें पूरी हो चुकी हैं, बाकी मांगों को पूरा करने के लिए मुझे तीन-चार महीने का समय और दीजिए। बनर्जी ने डॉक्टरों से कहा कि वह उनकी मांगों से असहमत नहीं हैं और उनसे उनकी सरकार के साथ बातचीत के लिए बैठने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि कुछ मांगों पर नीतिगत फैसले की जरूरत है और इसलिए इसमें समय लगेगा. बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार यथासंभव पूर्ण सहयोग करेगी, लेकिन उन्होंने आगे कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है कि आप सरकार को निर्देश देंगे कि क्या किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि शनिवार को भूख हड़ताल 15वें दिन में प्रवेश कर गई। स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने के बाद अब तक छह अनशनकारी डॉक्टरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आठ डॉक्टर वर्तमान में एस्प्लेनेड क्षेत्र में अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं और मांग कर रहे हैं कि राज्य सरकार गतिरोध को समाप्त करने के लिए 21 अक्टूबर तक रचनात्मक कार्य करे। एक चिकित्सक ने कहा कि अगर सोमवार तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे 22 अक्टूबर को राज्य भर में हड़ताल करने के लिए मजबूर होंगे।

बीजेपी नेता के बेटे की पाकिस्तान जाना थी बारात, वीजा नहीं मिलने से ऑनलाइन हुआ निकाह

जौनपुर (एजेंसी)। सीमा हैदर के बाद अब यूपी के जौनपुर में एक पाकिस्तानी दुल्हन आने वाली है, लेकिन इस बार ये दुल्हन बकायदा रिति रिवाजों के साथ आएगी। इंतजार है तो सिर्फ भारत की ओरे से वीजा मिलने का। यहां के एक बीजेपी नेता के बेटे की शादी पाकिस्तान मूल की युवती के साथ हुई है। इसके गवाह सैकड़ों लोग बने। जौनपुर शहर के मखदूम शाहअढ़हन निवासी तहसीन शाहिद बीजेपी के सभासद हैं। तहसीन शाहिद ने अपने बड़े बेटे मोहम्मद अब्बास हैदर की शादी पाकिस्तान के लाहौर में रहने वाली अंदलीब ज़हरा से तय की थी। शादी के लिए 18 अक्टूबर 2024 की तारीख तय हुई। तारीख तय होते ही पाकिस्तान बरात ले जाने के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। तहसीन शाहिद ने वीजा के लिए आवेदन दिया।

दूल्हा पक्ष ने पाकिस्तान बरात ले जाने के लिए वीजा के लिए आवेदन तो कर दिया, लेकिन भारत सरकार वीजा नहीं दे रही थी। शादी का दिन नजदीक आ गया। इसी बीच दुल्हन की मां राना यास्मीन जैदी की तबीयत खराब हो गई। उनको आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। दूल्हा पक्ष भी इससे परेशान था। दुल्हन की मां आईसीयू में भर्ती हुईं तो दूल्हा पक्ष भी परेशान हो गया। ऐसी हालत में बीजेपी नेता तहसीन ने लाहौर फोन किया। इसके बाद दोनों तरफ से फैसला लिया गया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ऑनलाइन निकाह कर लिया जाए। बाद में जब वीजा जारी होगा तो विदाई ले ली जाएगी।

ऑनलाइन शादी कराने का फैसला हुआ तो बकायदा बीजेपी नेता के घर से बारात निकली। घोड़े और रोड लाइट की व्यवस्था की गई। देर रात इमामबाड़ा कल्लू मरहूम में बारात पहुंची और यहां उसकी खातिरदारी भी की गई। तहसीन अपने साथ सैकड़ों बारातियों लेकर पहुंचे। ऑनलाइन निकाह की सारी तैयारियां की गई थीं। बड़ी टीवी स्क्रीन पर सभी के सामने निकाह करवाया जाना था। इसके बाद स्क्रीन पर एक तरफ दूल्हे का परिवार और दूसरी तरफ दुल्हन का परिवार दिखाई दे रहा था। इस निकाह को कराने के लिए दूल्हा पक्ष से मौलाना महफूजुल हसन खान शामिल हुए। उन्होंने दुल्हन से ऑनलाइन निकाह की इजाजत ली। इसके बाद दोनों का निकाह पढ़ा गया। निकाह होने के बाद दूल्हा मोहम्मद अब्बास हैदर और तहसीन शाहिद ने पीएम मोदी से अपील की है। कि जल्द अंदलीब ज़हरा को वीजा दिलवाया जाए, जिससे वह अपने ससुराल भारत आ सके।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सड़क निर्माण में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के कारण सूरत अब "गड्ढों का शहर" कहलाने लगा

"हम नहीं, तस्वीर बोलती है,ये है सूरत का नंबर १ गड्ढा,

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका द्वारा हर साल करोड़ों रूपये खर्च करने के बावजूद भ्रष्टाचार के कारण जर्जर सड़कें एक स्थायी समस्या बन चुकी हैं। सड़क निर्माण में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के कारण सूरत अब "गड्ढों का शहर" कहलाने लगा है। बार-बार गड्ढे बनने से वाहन चालकों के लिए जान का खतरा बढ़ गया है। आज सुबह अठवा लाइन्स इलाके में एक बड़ा गड्ढा गिर गया, जिससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। पीक आवर्स के दौरान इस गड्ढे के कारण भारी ट्रैफिक जाम देखा गया।

प्रशासन ने गड्ढे की मरम्मत के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूरत को सिंगापुर बनाने के दिवास्वप्न में खोए शासकों की लापरवाही के कारण प्रशासन बेकाबू दिख रहा है। इस साल मॉनसून की शुरुआत के साथ ही शहर की अधिकतर सड़कें खराब हो गईं, जिससे दुर्घटनाएं और राहगीरों की समस्याएं बढ़ गई हैं।

सड़कों की मरम्मत में भी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। इस बीच, मॉनसून के बाद भी शहर में गड्ढे बनने की घटनाएं आम हो गई हैं। अठवा लाइन्स में आज एक विशाल गड्ढा बनने से वाहन चालकों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। गड्ढे की जानकारी मिलने पर प्रशासन की टीम भी तुरंत मौके पर पहुंच गई।

अमित राजपूत को फूड प्वाइजनिंग या आत्महत्या के प्रयास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बीजेपी के एक कॉर्पोरेटर अमित राजपूत को फूड प्वाइजनिंग या आत्महत्या के प्रयास के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमित राजपूत, जो पहले शासक दल के नेता रह चुके हैं, को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह मामला फूड प्वाइजनिंग का है या आत्महत्या के प्रयास का।

सहसंपादकिय लेख

"रिश्वत यानी कि काम के बदले लिया गया शुल्क,,

महावीर पारीक

प्रत्येक दिन खबरों में हम लोग पढ़ते/देखते है कि कोई न कोई व्यक्ति रिश्वत प्रकरण से जुड़ ही जाता है, समझ में अब नही आता कि सरकार द्वारा इनको जो अच्छी खासी तनख्वाह दी जाती है फिर भी कारण क्या है ? कि सरकारी कर्मचारी इस दलदल में उतर ही जाते है भले ही वो किसी भी डिपार्टमेंट या समाज , जाती ,धर्म का क्यो न हो, मुख्य कारण है क्या इसका ? ये लोग या तो सरकार द्वारा दिये गए रूपयों से सन्तुष्ट नही है या फिर इनके घरेलू खर्च अधिक है , या फिर इनको इनकी आदत हो गई है , इस भ्र्ष्टाचार को रोकने के लिए मेरी नजर में रिश्वत को सेवा शुल्क के रूप में सरकार को अनिवार्य कर देना चाहिए या फिर सभी सरकारी डिपार्टमेंटो को प्राइवेट कर देना चहिए, सरकारी तंत्र सिर्फ ,पुलिस, फ़ौज, अस्पताल ,कानून व्यवस्थाऔर शिक्षा हो , जिसमें,शिक्षा, मेडिकल, व कानूनी सहायता बिल्कुल निशुल्क हो ,एक किसान को जमीन की नकल लेने के लिए पटवारी सेकेट्री के १०० या उससे भी ज्यादा चक्कर लगाने पड़ते है जब कि उस नकल के कागज की कीमत मात्र दो रूपये होती है जिसके किसान पांच सौ रूपये तक देते है ,यहां मेरा कोई किसी व्यक्तिविशेष या किसी विभाग पर कटाक्ष नही है मगर ये एक जीवंत उदाहरण है , मै सरकारो से मांग करता हूँ की रिश्वत प्रकरण ,या भ्र्ष्टाचार से मुक्ति पाने के लिए सभी सरकारी विभागों में एक सेवा शुल्क की लिस्ट लगाई जाए ताकि न तो आमजन परेशान हो न कोई सरकारी विभाग के कर्मचारी को, किसी काम के कोई टेबल की फ़ायल में ऊपर से ५०० देता है तो कोई टेबल के नीचे से १०० देता है।

सेवा शुल्क लिस्ट लगने से किसी मे भेदभाव नही होगा, ओर जनमानस के कार्य भी त्विवगति से होंगे,ओर इन रिश्वत को भगवान समझने वालों को भी कोई असुविधा नही होगी,,

अत: इस बात पर सभी जनमानस भी गम्भीरता से सोचे व सभी अपने अपने विचार सरकार तक पहुचाये, व किस काम की कितनी कीमत रखी जाए ये भी सर्वसम्मति से अवगत हो।

राष्ट्रीय भाषा हिंदी बन रही है जोखिमपूर्ण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर और जिले में पिछले एक महीने में छह घटनाओं में भीड़ द्वारा की गई हिंसा (मॉब लिंचिंग) के परिणामस्वरूप, वडोदरा के वारसिया इलाके में एक युवक की मौत हो गई। पिछले एक महीने से वडोदरा शहर और जिले में बाहरी प्रांतों के चोर गिरोहों की अफवाहें फैल रही हैं, जिससे लोगों में भय और अविश्वास बढ़ गया है। बिना पुलिस की मदद के लोग अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए रातभर जाग रहे हैं। इस बीच, हिंदी बोलने वाले अजनबी लोगों को चोर समझकर भीड़ द्वारा हमला किया जा रहा है।

१५ दिन पहले वाघोडिया तालुका के अंकडीपुरा गांव में एक घटना में पारूल यूनिवर्सिटी के एक छात्र को चोर समझकर स्थानीय लोगों ने पीटा। सौभाग्य से, कॉलेज के प्रोफेसर के समय पर पहुँचने से उस विदेशी छात्र की जान बच गई, हालांकि उसके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हो गया। इसी तरह की एक और घटना पादरा में नवरात्रि के दौरान हुई थी, जहाँ गरबा देखने गए दो बाहरी युवाओं को भी चोर समझकर पीटा गया था। बाद में जांच में पता चला कि दोनों युवक एक स्थानीय कंपनी में काम करते थे और यूपी के निवासी थे।

सूरत के दो युवकों पर हमला तीसरी घटना जांबुआ के पास हुई, जहां सूरत के दो युवक रेस्टोरेंट खोजते समय चोर समझकर पीटे गए। इसी प्रकार, शिनोर चौकड़ी के पास भी हिंदी बोलने वाले दो युवाओं को चोर समझकर हमला किया गया और पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद इन घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

भाषा की गलतफहमी बनी हमले का कारण वारसिया इलाके में चाय-नाश्ते के लिए निकले दो युवकों पर भीड़ ने चोर समझकर हमला किया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिवार ने न्याय की मांग की है। पुलिस कमिश्नर नर्सिंहमा कोमर ने लोगों से अपील की कि वे किसी अजनबी को देखकर पुलिस से संपर्क करें, लेकिन पुलिस पर अविश्वास के चलते लोग खुद ही हमलावर बन रहे हैं, जिससे निर्दोष लोगों की जान जा रही है।

इन घटनाओं का एक प्रमुख कारण भाषा की गलतफहमी बन रही है। हिंदी बोलने वाले बाहरी लोग, जिन्हें चोर समझा जा रहा है, भीड़ का शिकार बन रहे हैं, और भविष्य में भी ऐसी घटनाओं के बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

वडोदरा शहर पुलिस ने कांग्रेस अध्यक्ष का सिविल ड्रेस में पीछा किया

कांग्रेस अध्यक्ष ने पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुख्यमंत्री के विरोध का डर राज्य के मुख्यमंत्री वडोदरा शहर और जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आए थे। मुख्यमंत्री के रूट या कार्यक्रम स्थल पर शहर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन न किया जाए, इसके लिए शहर पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस के नेताओं पर कड़ी नजर रखी, जिसमें शहर कांग्रेस अध्यक्ष ऋत्विज जोशी भी शामिल थे। ऋत्विज जोशी अपने घर से कांग्रेस कार्यालय जा रहे थे, और इस दौरान सिविल ड्रेस में कुछ लोग उनकी कार का पीछा कर रहे थे। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर, कांग्रेस अध्यक्ष ने पुलिसकर्मियों को सार्वजनिक सड़क पर फटकार लगाई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

जानकारी के अनुसार, जब ऋत्विज जोशी को अपनी कार के पीछे किसी संदिग्ध कार का एहसास हुआ, तो उन्होंने बीच रास्ते में कार रोक दी। कार से बाहर आकर उन्होंने पीछा करने वालों से उनकी पहचान पूछी। तब उन लोगों ने कहा कि वे पुलिसकर्मी हैं। इसके बाद, कांग्रेस अध्यक्ष ने उनसे पूछा कि उनके पास पीछा करने का कोई आदेश है या नहीं और उन्होंने ऐसा क्यों किया। इस पर उन्होंने पुलिसकर्मियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई, जिसका वीडियो वायरल हो गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ऋत्विज जोशी ने कहा कि वह इस मामले में कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में पुलिस प्रशासन ने उनका पीछा किया और कहा कि इस मामले में वह ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में भी लिखित शिकायत दर्ज करेंगे।

पुरवठा सलाहकार समिति की बैठक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला पूर्ति सलाहकार समिति और सतर्कता बैठक जिला कलेक्टर नैमिष दवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें उचित मूल्य की दुकानों के स्थानांतरण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आवश्यक वस्तुओं के वितरण और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। रामवाड़ी, वलसाड में राम अपार्टमेंट के जी-५ में सूर्यप्रकाश प्यारेचंद खटीक उचित मूल्य की दुकान चला रहे थे, लेकिन अपार्टमेंट के ढांचे के क्षतिग्रस्त होने के कारण नगर पालिका ने इमारत को ध्वस्त करने का निर्णय लिया, जिससे दुकान का स्थान बदल दिया गया। अब यह दुकान जलदेवी मंदिर के पास, लुहार टेकरी, रामवाड़ी, वलसाड में कार्यरत होगी।

इसी तरह, वलसाड के दीक्षित मोहल्ला में नीलम अंकित राणा द्वारा संचालित उचित मूल्य की दुकान को भी माकन मालिक के आदेश के बाद स्थानांतरित किया गया है, और यह अब सिपाईवाड़, मालवीय रोड, जगन्नाथ मंदिर के पास संचालित होगी।

पारडी तालुका के ओरवाड़ गांव में स्थित उचित मूल्य की दुकानों में भी इसी तरह के बदलाव किए गए हैं। इन सभी स्थानांतरणों के बारे में जिला पूर्ति अधिकारी ने बैठक में रेशन कार्ड धारकों को सूचित किया।

सतर्कता बैठक में आवश्यक वस्तुओं के वितरण, लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने, और पूर्ति संबंधी जांच पर भी चर्चा हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जिसमें उमरगाम के विधायक रमनलाल पाटकर, कपराडा के विधायक जीतू चौधरी, और अन्य शामिल थे।

भाजपा का सदस्यता अभियान में गुजरात के टॉप दस सांसदों की सूची जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देशभर में भाजपा की सदस्यता की ६ साल की अवधि पूरी होने के बाद २ सितंबर २०२४ को राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई थी। इस अभियान के तहत १८ अक्टूबर तक ९ करोड़ से अधिक सदस्यों को भाजपा से जोड़ा जा चुका है। गुजरात राज्य में १ करोड़ से अधिक लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली है। इस सूची में सबसे ज्यादा सदस्य पोरबंदर के सांसद मनसुख मांडविया ने बनाए हैं, जबकि नवसारी के सांसद और प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, वलसाड के सांसद धवल पटेल ने २,९३,६२४ लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़कर छठा स्थान हासिल किया है।

देशभर में ९ करोड़ से अधिक लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली है, जबकि गुजरात राज्य में यह आंकड़ा १ करोड़ से अधिक है। प्रदेश भाजपा द्वारा जारी सूची में टॉप दस सांसदों के नाम शामिल किए गए हैं जिन्होंने सबसे अधिक सदस्य बनाए। पोरबंदर के सांसद मनसुख मांडविया राज्य में पहले स्थान पर हैं, जबकि वलसाड के सांसद धवल पटेल छठे स्थान पर हैं।

वलसाड लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले डांग, वांसदा, धरमपुर, वलसाड, पारडी, कपराडा, और उमरगाम विधानसभा क्षेत्रों में कुल २,९३,६२४ लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली है।